R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 153
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 10 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 रेस्टोरेंट संचालक से मारपीट व रंगदारी तमाशबीन ... 5 गोपीगंज-ज्ञानपुर मार्ग पर यातायात सुधार की ... 7 शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' को अदालत से ...

# प्रधानमंत्री सदन में आने से डरे हुए है क्योंकि सच्चाई का सामना नहीं कर सकतेः राहुल गांधी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में आने से डरे हुए हैं क्योंकि वह उस सच्चाई का सामना नहीं कर सकते जिसे वह (राहुल) पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे की पुस्तक के एक अंश को उद्धृत करते हुए सामने रखना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के साथ सदन में किसी विपक्षी सदस्य द्वारा ''हमला करने'' का कोई सवाल ही नहीं उठता तथा यदि कोई ऐसी हरकत कर दे तो प्राथमिकी दर्ज करके उसे तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बीते बृहस्पतिवार को कहा था कि इससे एक दिन पहले कांग्रेस के कई सदस्य सदन के नेता (प्रधानमंत्री) की सीट के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में नहीं आए। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''यह बात कुछ दिन पहले शुरू हुई जब एम एम नरवणे की किताब का मुद्दा आया और सरकार नहीं चाहती थी कि मैं उस पर कोई भी चर्चा करूं। इसलिए उन्होंने सदन की कार्यवाही नहीं चलने दी।

उन्होंने मुझे बोलने नहीं दिया। ऐसा तीन-चार बार हुआ।'' उनका कहना था, ''पहले उन्होंने कहा कि मैं किसी किताब का हवाला नहीं दे सकता। फिर मैंने कहा कि मैं किताब का नहीं, एक पत्रिका का हवाला दे रहा हूं। तब उन्होंने कहा कि आप पत्रिका का भी हवाला नहीं दे सकते। फिर मैंने कहा कि मैं उस पर बोलूंगा। तब उन्होंने कहा कि आप उस पर बोल भी नहीं सकते। रक्षा मंत्री ने गलत तरीके से कहा कि वह किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है, जबकि सच्चाई यह है कि वह किताब प्रकाशित हो चुकी है और हमारे पास उसकी एक प्रति भी है।''

राहुल गांधी का कहना था कि यह बड़ा मुद्दा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष और पूरे विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, ''दूसरा मुद्दा यह है कि उनके एक सदस्य (निशिकांत दुबे) ने कई किताबों का हवाला देते हुए बहुत ही आपत्तिजनक बातें कहीं और उस पर कुछ भी नहीं कहा गया। वह जो चाहें, जब चाहें कह सकते हैं, और विपक्ष को बोलने तक की अनुमति नहीं है?'' कांग्रेस नेता ने कहा कि तीसरा विषय विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन है।

राहुल गांधी ने कहा, ''एक और मुद्दा बहुत परेशान करने वाला है। यह कहा गया कि सदस्य प्रधानमंत्री को धमकाने वाले थे। ऐसा कोई सवाल ही नहीं उठता। तथ्य बिल्कुल साफ़ हैं। प्रधानमंत्री सदन में आने से डरे हुए थे और और ऐसा सदस्यों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए था कि मैं कुछ कहने वाला था।'' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री अब भी डरे हुए हैं क्योंकि वह सच्चाई का सामना नहीं कर सकते।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''हमारे किसी भी सदस्य के प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्हें सदन में आने का साहस दिखाना चाहिए। मैंने यह भी कहा कि अगर किसी ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री पर हमला करेगा तो तुरंत प्राथमिकी दर्ज कीजिए और उस व्यक्ति को गिरफ़्तार कीजिए।'' राहुल गांधी ने सवाल किया, ''आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे?''

## आधी रात मिठाई की दुकान पहुंचे बाबा बागेश्वर, गद्दी पर बैठकर लगाई आवाज- 'बर्फी ले लो, लड्डू ले लो'

छतरपुर **(एजेंसी)**। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर और देश के चर्चित कथा वाचक पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार किसी धार्मिक या राजनीतिक बयान को लेकर नहीं, बल्कि अपनी सादगी और सहज व्यवहार के कारण।

घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की है, जब बाबा बागेश्वर अचानक छतरपुर शहर के छत्रसाल चौराहे स्थित कंचन स्वीट्स पहुंचे। उस वक्त दुकानदार अशोक अग्रवाल दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। बाबा को सामने देखकर वे हैरान रह गए। बाबा ने गाड़ी रुकवाई और बिना किसी औपचारिकता के सीधे दुकान के भीतर पहुंचे। वे सेठ की गद्दी पर बैठ गए और पहले छेना रसगुल्ले, फिर रसमलाई का स्वाद लिया। दुकानदार ने तिलक कर माला पहनाई और आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके बाद बाबा ने दुकानदार के बेटे को गले लगाकर आशीर्वाद दिया और माहौल को पूरी तरह सहज बनाते हुए मजाकिया अंदाज में गद्दी पर बैठकर आवाज लगाने लगे 'बर्फी ले लोष्ठ पेड़ा ले लोष्ठ लड्डू ले लोष्ठ अपने-अपने भाव से।' यह दृश्य देखकर दुकान में मौजूद लोग भावुक हो गए। लोगों का कहना था कि देश-विदेश में सनातन का संदेश देने वाले बाबा आम लोगों के बीच भी उसी सरलता से घुल-मिल जाते हैं। दुकानदार अशोक अग्रवाल ने कहा कि 'यह हमारे जीवन का सौभाग्य है कि बाबा आधी रात खुद हमारी छोटी-सी दुकान पर आए। जिनसे मिलने के लिए लोग सालों इंतजार करते हैं, उनका यूं अचानक आना हमारे लिए अविस्मरणीय है।' यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी बाबा बागेश्वर कभी चाट तो कभी समोसे की दुकान पर आम लोगों के बीच नजर आ चुके हैं।

## 1 महीने से लापता भाजपा विधायक, परिवार घर में कैद, सांसद बोले- वे छुट्टी पर हैं, परिवार बोला- मूसा गैंग ने दी थी धमकी

मऊगंज **(एजेंसी)**। मऊगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक प्रदीप पटेल के बीते एक महीने से लापता रहने को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस मामले में अब रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा की प्रतिक्रिया सामने आई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सांसद जनार्दन मिश्रा कहते नजर आ रहे हैं कि 'हर व्यक्ति का अपना निजी जीवन होता है। जब किसी को लगातार दौड़ाया जाता है, तो वह अवकाश पर चला जाता है।' उन्होंने कहा कि विधायक प्रदीप पटेल भी शांति पाने के लिए अवकाश पर हैं और जल्द ही अपने विधानसभा क्षेत्र में लौटेंगे। सांसद ने यह भी जोड़ा कि हम सब कभी न कभी अवकाश पर जाते हैं और इसमें असामान्य कुछ भी नहीं है। हालांकि, उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

इधर, विधायक की गैरमौजूदगी को लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर है। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनोद शर्मा ने कहा है कि विधायक सामने आएं, उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि जनता अपने जनप्रतिनिधि की स्थिति को लेकर चिंतित है और पारदर्शिता जरूरी है। बताया जा रहा है कि 3 जनवरी को मऊगंज में अग्निहोत्री परिवार की जमीन को लेकर हुए विवाद के बाद से विधायक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए। 6 जनवरी को एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वे घर से बाहर न निकलने की बात करते दिखे थे।

वायरल वीडियो में विधायक प्रदीप पटेल अपने बेटे और परिवार के सदस्यों को सख्त हिदायत देते नजर आते हैं। वे कहते हैं कि 'घर से बाहर बिल्कुल मत निकलना, जरूरत हो तो सामान ऑनलाइन मंगा लेना और गेट सोच-समझकर ही खोलना।' एक महीने बाद भी स्थिति स्पष्ट न होने पर कांग्रेस ने आईजी रीवा को पत्र लिखकर मामले की जानकारी और सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। फिलहाल, विधायक के अवकाश और उनकी सुरक्षा को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो चुकी है। वहीं बताया जा रहा है कि मूसा गैंग जो कि ड्रग्स के धंधे में शामिल है, उसने विधायक प्रदीप पटेल को धमकी दी थी, खैर सच्चाई क्या है, ये तो बाद में ही पता चलेगा।

## व्यापार समझौते पर सरकार के मंत्रियों के बयान अलग-अलग, दृष्टिकोण में खामी-कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने रूस से तेल खरीदने और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के कथित विरोधाभाषी बयानों को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस मामले में सरकार के दृष्टिकोण में ही खामी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'समग्र सरकार' (होल ऑफ गवर्मेन्ट) का दृष्टिकोण कहते हैं, उस पर बड़े-बड़े दावे करते हैं।

लेकिन रूसी तेल के मुद्दे और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हाल यह है कि वाणिज्य मंत्री कहते हैं कि विदेश मंत्री से पूछिए, विदेश मंत्री कहते हैं कि वाणिज्य मंत्री से पूछिए और पेट्रोलियम मंत्री दूसरे मुद्दों में उलझे हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार में खामियों से भरा दृष्टिकोण है। बीते शनिवार को भारत और अमेरिका द्वारा पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के ढांचे पर जारी संयुक्त बयान में गया था कि भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान के पुर्जे, कीमती धातुएं, तकनीकी उत्पाद और कोयला खरीदने का इरादा जाहिर किया है।

इसके बदले अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने पर लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का शासकीय आदेश भी जारी किया है। अमेरिका से आयात में अचानक वृद्धि को लेकर सुरक्षा उपायों पर गोयल ने कहा है कि व्यापार समझौते में किसानों और घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं।

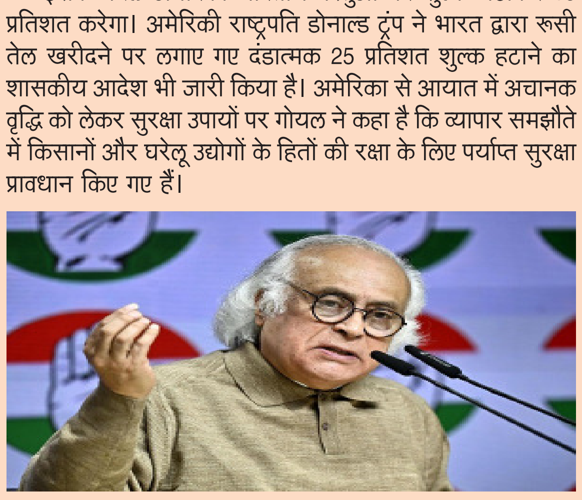

## लोकसभा में छिड़ा 'माइक युद्ध'! शशि थरूर बोले- मेरा और राहुल का माइक काट दिया गया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। संसद के बजट सत्र में सोमवार को उस समय भारी हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला, जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सदन से बाहर आकर गंभीर आरोप लगाए। थरूर का दावा है कि लोकसभा में न केवल उन्हें बोलने से रोका गया, बल्कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनका माइक भी काट दिया गया। सदन की कार्यवाही 10 फरवरी तक स्थगित होने के बाद मीडिया से बात करते हुए थरूर ने कहा कि उन्होंने अपनी 70 साल की संसदीय परंपरा में ऐसा 'अजीब' व्यवहार नहीं देखा। थरूर के अनुसार, जब वह बजट पर बोलने के लिए खड़े हुए, तो उन्होंने अपनी बारी राहुल गांधी को देने की पेशकश की। थरूर ने आरोप लगाया कि जैसे ही राहुल गांधी ने बोलना शुरू किया, पीठासीन अधिकारी ने दोनों का माइक बंद कर दिया। थरूर ने कहा, 'सदन में एक परंपरा रही है कि जब नेता प्रतिपक्ष और संसदीय कार्य मंत्री हाथ उठाते हैं, तो उन्हें बोलने का मौका दिया जाता है। लेकिन यहाँ पीठासीन अधिकारी केवल मंत्री को बोलने दे रहे हैं और राहुल गांधी को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।' विपक्ष लगातार भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार ढांचा और पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की किताब से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इन संवेदनशील मुद्दों पर बहस से भाग रही है, जबकि सरकार का कहना है कि विपक्ष बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा में बाधा डाल रहा है। 'जब आप विपक्ष के नेता को बोलने ही नहीं देते, तो आप असल में संसद के बुनियादी मकसद को ही खत्म कर रहे हैं।'

# लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर कांग्रेस का 'चिट्ठी बम'

### कहा- पीएम मोदी को बचाने के लिए हमें बदनाम किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महिला सांसदों ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी ने उन्हें उनके खिलाफ 'झूठे, निराधार और मानहानिकारक' दावे करने के लिए मजबूर किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में न आने का आग्रह किया था ताकि कोई अप्रिय घटना न हो, क्योंकि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ कांग्रेस सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट पर आकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम दे सकती हैं। सांसदों ने कहा कि सदन में उनका विरोध शांतिपूर्ण और संसदीय मानदंडों के अनुरूप था, लेकिन उन्हें अभूतपूर्व रूप से निशाना बनाया गया। पत्र में सांसदों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लगातार चार दिनों तक बोलने का अवसर नहीं दिया गया, जबकि एक भाजपा सांसद को पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में अश्लील और अभद्र टिप्पणी करने की अनुमति दी गई। सांसदों ने आगे दावा किया कि जब वे भाजपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए स्पीकर से मिले, तो उन्होंने गंभीर गलती स्वीकार की, लेकिन बाद में संकेत दिया कि वे सरकार की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे अब ऐसे मामलों में स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं करते हैं। अगले दिन, सांसदों ने दावा किया कि स्पीकर ने कथित तौर पर प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को उचित ठहराने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के दबाव में आकर एक बयान जारी कर उनके खिलाफ 'गंभीर आरोप' लगाए। सांसदों ने जोर देकर कहा कि उनका विरोध निरंतर शांतिपूर्ण, दृढ़ और पूरी तरह से लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनमें से कई साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और पहली पीढ़ी के राजनेता हैं जिन्होंने प्रतिरोध और भेदभाव के बावजूद दशकों की सार्वजनिक सेवा के माध्यम से अपना करियर बनाया है। सांसदों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को लगातार जवाबदेह ठहराने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

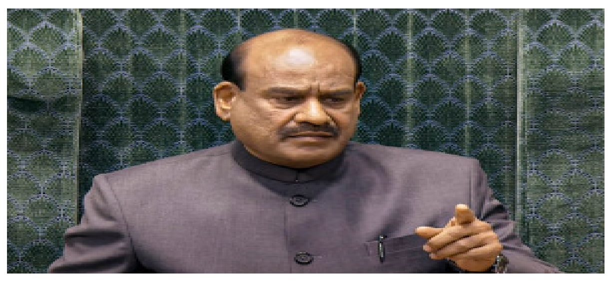

# भाजपा राष्ट्र को पहले, जबकि विपक्ष स्वार्थ को पहले रखता है : नितिन नवीन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्र को पहले, संगठन को दूसरे और स्वयं को सबसे अंत में रखती है, जबकि विपक्ष के लिए 'स्वार्थ ही पहला और आखिरी' होता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद अपने गृहनगर पटना की पहली यात्रा पर पहुंचे नवीन ने पार्टी की बिहार इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उस दौर में 'जंगल राज' को उखाड़ फेंकने में भूमिका निभाई, जब पर्चे बांटना भी जोखिम से भरा होता था।

उन्होंने कहा, 'त्याग की वही भावना आज भी जारी है। मुझे केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाने का अवसर मिला, जहां पार्टी कार्यकर्ता बिना किसी स्वार्थ के संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा ऐसी पार्टी है जो राष्ट्र को पहले, पार्टी को दूसरे और स्वयं को सबसे अंत में रखती है। हमारे विरोधियों के लिए स्वार्थ ही पहला और आखिरी होता है।' पैंतालीस वर्ष की उम्र में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नवीन ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा, 'हमारे पास मजबूत वॉच टॉवर है। बूथ स्तर का कार्यकर्ता निश्चिंत रह सकता है कि उसके काम का संज्ञान लिया जा रहा है और वह प्रदेश इकाई का अध्यक्ष, यहां तक कि राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बन सकता है।

मैं आपके सामने इसका उदाहरण हूं।' उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि कभी चीजें उनकी इच्छा के अनुसार न हों तो निराश न हों। उन्होंने कहा, 'वे बेहतर दिनों की उम्मीद रख सकते हैं। पार्टी ने अब तक क्षैतिज विस्तार देखा है। आने वाले दिनों में कार्यकर्ताओं का ऊर्ध्वाधर विकास होगा।' बांकीपुर के विधायक नवीन ने अपने गृह राज्य बिहार में पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा, 'अगर आप सब अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो श्रेय मुझे मिलेगा। यदि आप असफल होंगे तो दोष मुझ पर आएगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने में यह राज्य अहम भूमिका निभाएगा।'

नवीन दिसंबर में कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने तक बिहार सरकार में मंत्री थे। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी देश के 140 करोड़ लोगों को 'समाधान' के रूप में देखते हैं, जबकि 'कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री' के लिए 40 करोड़ भारतीय 'चुनौती' थे। उन्होंने कहा, 'आप सबने हाल में संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण सुना होगा। उसमें यह बात सामने आई कि जहां कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री के ने 40 करोड़ भारतीयों को चुनौती माना था, वहीं मोदी 140 करोड़ देशवासियों को समाधान के रूप में देखते हैं।'

# अमित शाह की नक्सलियों को आखिरी चेतावनीः 'हथियार छोड़ो या अंजाम भुगतो, 31 मार्च तक होगा सफाया'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि माओवाद ने कभी किसी समाज को लाभ नहीं पहुंचाया और जहां भी यह मौजूद रहा, उसने तबाही फैलाई। उन्होंने इस संबंध में कोलंबिया, पेरू और कंबोडिया जैसे देशों का उदाहरण दिया। शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए दोहराया कि 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और उन्हें सम्मानजनक पुनर्वास का वादा किया। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सरकार की माओवादी पुनर्वास नीति सबसे आकर्षक है।'' उन्होंने इसको लेकर भी चिंता जतायी कि जो नक्सली अभी भी डटे हुए हैं, उनमें युवा आदिवासी लड़कियां भी शामिल हैं। शाह ने कहा, ''उन्हें (युवा आदिवासी लड़कियों को) पुनर्वास के लिए भेजा जाना चाहिए क्योंकि उनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है।''

शाह ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाए जाने का आश्वासन देते हुए चेतावनी दी कि जो लोग गोली चलाना जारी रखेंगे, आईईडी लगाएंगे और विद्यालयों तथा अस्पतालों को आग के हवाले करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, ''सशस्त्र हिंसा का कड़ा जवाब दिया जाएगा। अगर कोई हथियार उठाएगा, तो जवाब भी हथियारों से ही दिया जाएगा।'' शाह ने शेष सशस्त्र नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील करते हुए कहा, ''हम किसी से लड़ना नहीं चाहते। हमारी लड़ाई अपने आदिवासी भाइयों और बहनों की रक्षा के लिए है। जब आईईडी लगाए जाते हैं, तो निर्दोष बच्चों की जान जा सकती है या वे स्थायी रूप से अपंग हो सकते हैं।

यह क्रूरता कहां से आती है?'' उन्होंने कहा कि माओवादियों ने दशकों तक स्कूल बंद रखे, जिससे कई पीढ़ियां शिक्षा से वंचित रहीं और बड़े पैमाने पर निरक्षरता फैली। शाह ने कहा, ''हालांकि बस्तर अब तेज विकास के रास्ते पर है। स्कूल फिर से खुल रहे हैं, सड़कें बन रही हैं, मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं, डाकघर खोले जा रहे हैं और गांवों तक बिजली एवं पेयजल पहुंचाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि अगले पांच वर्षों में बस्तर देश का सबसे विकसित आदिवासी बहुल संभाग बने।''

शाह ने कहा कि सरकार ने बस्तर इलाके में विकास को तेज करने के लिए एक बड़ा रोडमैप तैयार किया है, जिसमें सात जिले हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य दिसंबर 2027 तक सभी गांवों में बिजली पहुंचाना, हर गांव में मोबाइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना और हर पांच किलोमीटर के अंदर एक डाकखाना या बैंक शाखा खोलना है। उन्होंने कहा, 'आदिवासियों से 3, 100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदा जाएगा, घरों में रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे और हर घर में नल के पानी का कनेक्शन सुनिश्चित किया जाएगा। नक्सलवाद कम होने के साथ, बस्तर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एडवेंचर टूरिज्म, होमस्टे, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसी नयी पर्यटन पहल विकसित की जा रही हैं।'' उन्होंने कहा कि बस्तर में आदिवासी युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से 118 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जा रहा है। शाह ने सिंचाई योजनाओं को उल्लेखित करते हुए कहा कि इंद्रावती नदी पर नयी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी, जिनसे दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों में 2.75 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी और 120 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी होगा। उन्होंने कहा, ''सरकार दशकों तक बस्तर की संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

## उन्नाव बलात्कार : कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, तत्काल जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में बलात्कार के दोषी और पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया और दिल्ली उच्च न्यायालय को उनकी अपील पर सुनवाई करने और तीन महीने के भीतर जमानत पर फैसला सुनाने का निर्देश दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हालांकि न्यायालय सेंगर की 10 साल की सजा पर रोक नहीं लगा रहा है, लेकिन उच्च न्यायालय को एक सप्ताह के भीतर मामले पर सुनवाई करनी चाहिए, अपील सुननी चाहिए और तीन महीने के भीतर फैसला सुनाना चाहिए।

न्यायालय ने कहा कि हम उच्च न्यायालय से अपील पर सुनवाई करने और तीन महीने से अधिक समय में फैसला सुनाने का अनुरोध करने के लिए इसे उपयुक्त मामला मानते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता द्वारा दायर की गई सभी संबंधित अपीलों की सुनवाई साथ-साथ की जाए। सेंगर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि पूर्व विधायक अपनी सजा के लगभग 9 वर्ष और 7 महीने पूरे कर चुके हैं और उन्होंने शेष अवधि के लिए अस्थायी रोक लगाने की मांग की। सॉलिसिटर जनरल ने न्यायालय को सूचित किया कि अपील की सुनवाई 11 फरवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय में होनी है और उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर विचार करने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने प्रश्न उठाया कि क्या अपील हत्या की धारा के तहत दायर की जानी चाहिए थी, जबकि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि सेंगर ने वास्तव में सजा के सिर्फ सात वर्ष से अधिक ही पूरे किए हैं, और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे गंभीर और नैतिक रूप से निंदनीय मामले में सजा में छूट देना अत्यधिक विवादास्पद है। सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने सेंगर के वकील महमूद प्राचा को मामले पर मीडिया में टिप्पणी करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि मामले का 'मीडिया ट्रायल' करने पर उनका लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

## जिला कारागार में मनाया गया 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान'

**मंत्र भारत संवाददाता**

कौशाम्बी। मुख्य चिकित्साधिकारी संजय कुमार के आदेशानुसार जिला कारागार में जेल अधीक्षक अजितेश कुमार की अध्यक्षता में 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान-2026' का आयोजन किया गया। यह अभियान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से शुरू होकर 13 फरवरी 2026 तक संचालित किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र द्विवेदी द्वारा किया गया। जिला कुष्ठ परामर्शदाता कादिर हुसैन हाशमी के नेतृत्व में कुष्ठ टीम ने 20 संभावित कैदियों का परीक्षण किया, जिसमें एक नया कुष्ठ रोगी पाया गया जिसका उपचार तत्काल प्रारंभ कर दिया गया है।

अंत में उपस्थित अधिकारियों और कैदियों को कुष्ठ मुक्त जनपद बनाने और रोगियों के प्रति भेदभाव समाप्त कर उन्हें सम्मान देने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर जेलर और कुष्ठ विभाग की टीम मौजूद रही।

# पुलिस कुश्ती क्लस्टर में कौशाम्बी और प्रयागराज का दबदबा, एसपी ने खिलाड़ियों को नवाजा

**मंत्र भारत संवाददाता**

कौशाम्बी। जनपद के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय '29वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस कुश्ती क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026' का सोमवार को गरिमामय समापन हुआ। सोमवार के सबसे रोमांचक मुकाबलों में बॉक्सिंग (पुरुष वर्ग) का फाइनल रहा, जहाँ कौशाम्बी के आरक्षी राजेश कुमार यादव ने प्रतापगढ़ के आरक्षी मुकेश कुमार को कड़ी टक्कर देते हुए जीत हासिल की।

ज्ञात हो कि प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी, राजेश कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया। कुश्ती (पुरुष) में जनपद प्रयागराज ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चैम्पियनशिप अपने नाम की, जबकि कुश्ती (महिला) में मेजबान कौशाम्बी की टीम विजेता रही। बॉडी बिल्डिंग व बॉक्सिंग (पुरुष) और बॉक्सिंग (महिला) में भी कौशाम्बी ने बाजी मारी। आर्म रेसलिंग पुरुष वर्ग में जनपद बांदा और महिला वर्ग में जनपद महोबा अव्वल रहे। समापन सत्र को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय और प्रतिसार निरीक्षक देवपाल समेत कई अधिकारी और कोच मौजूद रहे।

## कोमल मौर्या ने स्टेट वॉक रेस चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

कौशाम्बी। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम की होनहार खिलाड़ी कोमल मौर्या ने पीलीभीत में आयोजित छठी उत्तर प्रदेश स्टेट ओपन वॉक रेस चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का मान बढ़ाया है। कोमल मौर्या भड़ेसर, मंझनपुर की निवासिनी हैं।

ज्ञात हो कि इस शानदार जीत के बाद अब कोमल मौर्या चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली नेशनल वॉक रेस चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 21 से 22 फरवरी 2026 तक आयोजित होगी। कोमल मौर्या खेलो इंडिया एथलेटिक्स सेंटर की खिलाड़ी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर कोच संदीप कुमार, उप क्रीड़ाधिकारी अजय प्रताप साहू और खेल विभाग के स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

## विधिक सेवा मेगा कैम्प को लेकर सचिव ने दिए निर्देश

**मंत्र भारत संवाददाता**

कौशाम्बी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तहसील चायल में 10 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले प्री-कैंप की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह शिविर प्रातः 10:00 बजे से सायं 03:00 बजे तक चलेगा, जिसमें आम जनता को विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिया जाएगा।

ज्ञात हो कि सचिव आस्था मिश्रा ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वंचित और पात्र व्यक्तियों को एक ही स्थान पर न्यायिक सहायता और विभागीय लाभ सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने विभागों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। नागरिकों को मेगा कैम्प और प्री-कैम्प में लाभ प्राप्त करने के लिए संबंधित विभागों में अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

# यूपी बोर्ड ने इंटर प्रैक्टिकल परीक्षा की तिथि बढाई

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने इंटरमीडिएट प्रैक्टिकल परीक्षा - 2026 की तिथि आज बढा दी है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि पहले और दूसरे चरण की छूटी प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी।

यूपी बोर्ड में इंटरमीडिएट की पहले चरण की प्रैक्टिकल परीक्षा 24 जनवरी से 1 फरवरी के बीच आयोजित की गई थी जबकि दूसरे चरण की इंटरमीडिएट की प्रैक्टिकल परीक्षा 2 फरवरी से 9 फरवरी के बीच आयोजित की गई थी लेकिन इस निर्धारित समय के बाद भी कुछ विद्यालयों की प्रैक्टिकल परीक्षाएं बची रह गई है।

जबकि कुछ विद्यालयों ने ऑनलाइन अंक अपलोड नहीं किया है। छात्र हित को ध्यान में रखते हुए इंटरमीडिएट प्रैक्टिकल परीक्षाओं की तिथि 13 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। यूपी बोर्ड ने प्रैक्टिकल परीक्षाओं को लेकर प्रधानाचार्य को अंतिम अवसर देते हुए निर्देश दिया है। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने कहा है कि बची हुई प्रैक्टिकल परीक्षाएं संपादित कर 13 फरवरी तक यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर अंक अपलोड करना सुनिश्चित करें। यूपी बोर्ड ने कहा कि निर्धारित समय तक अंक अपलोड ना करने के कारण यदि किसी परीक्षार्थी का परीक्षा परिणाम प्रभावित होता है,तो उसके लिए संबंधित परीक्षक, प्रधानाचार्य और डीआईओएस जिम्मेदार होंगे। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने यह आदेश आज जारी किया है।

## राजकीय मेडिकल कॉलेज में 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम' कार्यशाला संपन्न

**मंत्र भारत संवाददाता**

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उन्हें खेलकूद व रचनात्मक कार्यों की ओर प्रेरित करना था।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सुनील कुमार शुक्ल और पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा किया गया। वक्ताओं ने डिजिटल युग में बढ़ते स्क्रीन टाइम के शारीरिक और मानसिक कुप्रभावों पर चर्चा की। कैंसर विशेषज्ञ विवेक कुमार ने विद्यार्थियों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों ने प्रतिदिन कम से कम एक घंटे शारीरिक गतिविधि करने का संकल्प लिया। इस दौरान सरस्वती जाएसवाल यादव, रविरंजन सिंह सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

## युवक का शव सरसों के खेत में मिला हत्या की आशंका, शरीर पर चोट के निशान नहीं

**मंत्र भारत संवाददाता**

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र में एक युवक का शव सरसों के खेत में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। यह घटना चरवा थाना क्षेत्र के बिरहिबाद गांव के बाहर ओवरब्रिज के पास हुई।

सोमवार सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने खेत में शव देखा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि युवक की हत्या कर शव को छिपाने के लिए खेत में फेंका गया है।

घटना की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस की जांच में मृतक की पहचान बिरहिबाद गांव निवासी 36 वर्षीय पवन विश्वकर्मा पुत्र स्वर्गीय राजाराम के रूप में हुई है। जानकारी मिलने पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची है। चरवा थाना प्रभारी महेश सिंह ने बताया कि मृतक का शव उसके घर से करीब 100 मीटर दूर सरसों के खेत में मिला है। शव पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर एक शराब का ठेका है, जिसे ठेकेदार ने मृतक के घर में किराए पर ले रखा था।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण और घटना की पूरी जानकारी स्पष्ट हो पाएगी।

## भवंस मेहता विद्याश्रम में ज्ञान की वर्षा, प्रो. आर.एन. गोयल की स्मृति में दान की गईं 200 बहुमूल्य पुस्तकें

**मंत्र भारत संवाददाता**

कौशाम्बी। जनपद के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान 'भवंस मेहता विद्याश्रम, भरवारी' के लिए सोमवार का दिन शिक्षा और समर्पण की एक नई मिसाल लेकर आया। विद्यालय की शिक्षिका आकांक्षा गुप्ता ने अपने दिवंगत गुरु, प्रख्यात विद्वान प्रोफेसर आर.एन. गोयल की पावन स्मृति में विद्यालय के पुस्तकालय को 200 बहुमूल्य पुस्तकें भेंट कीं।

ज्ञात हो कि आकांक्षा गुप्ता ने ये पुस्तकें विद्यालय के प्रधानाचार्य बलैया गंगारबोइना को सौंपी। इन पुस्तकों के संग्रह में मुख्य रूप से अंग्रेजी साहित्य, कम्युनिकेशन स्किल्स और योग जैसे विषयों पर आधारित दुर्लभ और ज्ञानवर्धक किताबें शामिल हैं। प्रधानाचार्य ने प्रोफेसर गोयल को श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि उनका जन्म 1936 में हुआ था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक के करीब रहे प्रोफेसर गोयल ने 30 वर्षों तक सीएमपी डिग्री कॉलेज में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने तीन पीढ़ियों को शिक्षित किया। उनका व्यक्तित्व इतना प्रेरणादायक था कि वे 1994 में रिटायर होने के बाद भी दिसंबर 2025 तक लगातार शिक्षण कार्य से जुड़े रहे।

इस पुनीत कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के निदेशक संदीप सक्सेना और कोषाध्यक्ष डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। प्रधानाचार्य ने छात्रों से अपील की कि वे इन पुस्तकों का भरपूर लाभ उठाएं ताकि उनकी अंग्रेजी भाषा पर पकड़ मजबूत हो सके और वे एक अनुशासित जीवन जी सकें। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह, स्कूल कोऑर्डिनेटर नसीम अंसारी, शिक्षक अवधेश मिश्रा समेत विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

# माँ जानकी जी प्राकट्य दिवस : त्याग धैर्य और पवित्रता की दिव्य प्रेरणा का पर्व

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज/ऋषिकेश। आज मां जानकी जी के दिव्य प्राकट्य दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन में विशेष यज्ञ का आयोजन किया। परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमारों में विश्व शान्ति व समृद्धि हेतु विशेष यज्ञ किया।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस दिव्य अवसर संदेश दिया कि माँ जानकी, धैर्य की वह निःशब्द शक्ति हैं जो हर पीड़ा को तप बनाकर प्रकाश में बदल देती है।

परमार्थ निकेतन में माँ जानकी प्राकट्य दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक गरिमा के साथ मनाया गया। गंगा तट पर दिव्य गंगा आरती के दौरान भक्ति, वैदिक मंत्रोच्चार, रामनाम संकीर्तन के साथ प्राकट्य उत्सव मनाया। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं, संतों, ऋषिकुमारों ने माँ सीता के आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लिया।

स्वामी जी ने कहा कि माँ जानकी भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। वे नारी गरिमा, संयम, करुणा और आंतरिक शक्ति की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। उनका जीवन संघर्षों से भरा था, किंतु उन्होंने कभी अपनी मर्यादा, करुणा और धैर्य का त्याग नहीं किया। यही कारण है कि वे सनातन संस्कृति में आदर्श नारीत्व की सर्वोच्च प्रतीक हैं।

आज के समय में जब समाज तनाव, असंतुलन और मूल्यहीनता की चुनौतियों से जूझ रहा है, माँ जानकी का जीवन हमें भीतर की शक्ति से जुड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों को भी तपस्या बना दिया। वनवास, परीक्षा और संघर्षों के बीच भी उन्होंने प्रेम, क्षमा और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा।

माँ जानकी आज की नारी के लिए चेतना की पुकार हैं। आज जब आधुनिकता के नाम पर अपनी पहचान, मर्यादा और मूल्यों से दूर होने की होड़ लगी है, माँ जानकी का जीवन हमें ठहरकर सोचने को विवश करता है। वे सिखाती हैं कि कोमलता कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है; धैर्य पराजय नहीं, बल्कि विजय की तैयारी है।

वनवास हो, विपत्ति हो या अन्याय, उन्होंने कभी सत्य और स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। उन्होंने परिस्थितियों के आगे सिर नहीं झुकाया, बल्कि अपने चरित्र की ऊँचाई से इतिहास को झुका दिया। यही संदेश आज की हर बेटी के लिए है, अपनी संस्कृति से जुड़े रहो, अपने संस्कारों को जियो और अनीति के सामने अडिग खड़ी रहो। माँ जानकी प्रेरित करती हैं कि नारी स्वयं को पहचाने, अपनी गरिमा को माने और समाज में परिवर्तन की शक्ति बने। जब नारी जागेगी, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र जागृत होगा।

माँ जानकी प्राकट्य दिवस, आत्मचिंतन और जीवन मूल्यों को पुनः जागृत करने का पावन अवसर है। माँ जानकी के आदर्शों को आत्मसात कर एक संवेदनशील, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

## महाशिवरात्रि, रमजान व ईद को लेकर त्रिलोकपुर थाने में पीस कमेटी की बैठक

**मंत्र भारत संवाददाता**

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना परिसर में आगामी महाशिवरात्रि पर्व, माहे रमजान एवं ईद उल फितर त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष चन्द्रकांत पाण्डेय ने की। पीस बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि सभी समुदाय के लोग आपसी भाईचारे और सद्भावना के साथ त्योहार मनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। साथ ही आमजन से अपील की गई कि किसी भी समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

इस अवसर पर उपनिरीक्षक गणेश कुमार, विशेश्वर प्रसाद, तालीमुद्दीन खान, सहित क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक सुधीर कुमार त्रिपाठी, शत्रुघन मिश्रा, हाफिज रहमान, शहनवाज खान, शहाबुद्दीन समेत क्षेत्र के मेला आयोजक, पुजारी, मौलवी, आदि मौजूद रहे। बैठक में सभी ने आपसी सहयोग से त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का भरोसा दिलाया।

### 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत हजारों पौधों एवं बीजों का रोपण

# आरेडिका की उपलब्धियों पर प्रेस वार्ता एवं महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा की पुस्तक 'टेल्स फ्रॉम रेल्स' का विमोचन

**मंत्र भारत संवाददाता**

रायबरेली। आरेडिका की उपलब्धियों पर वार्ता के साथ ही महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा की पुस्तक 'टेल्स फ्रॉम रेल्स' का विधिवत् विमोचन किया गया। इस अवसर पर रेल इंथुज़ियास्ट सोसायटी के सक्रिय सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार तथा आरेडिका के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय रेलवे सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं विख्यात रेलवे इतिहासकार श्री पी. के. मिश्रा ने कहा कि 'टेल्स फ्रॉम रेल्स' भारतीय रेल की आत्मा में उतरने वाली एक अद्वितीय साहित्यिक यात्रा है, जहाँ इस्पात पटरियाँ और भाप के इंजन केवल भौगोलिक दूरियाँ ही नहीं पार करते, बल्कि समय, समाज और साम्राज्य के नियमों को भी पुनर्लेखित किया। मात्र तकनीकी विकास से आगे बढ़ते हुए, बत्तीस कहानियों और निबंधों का यह संग्रह 'भूतिया श्रमिकों', आधी रात की डाक गाड़ियों और पटरियों के नीचे दबे बुद्ध की रहस्यमय खोज जैसे विलुप्त संसार को पुनर्जीवित करता है। फ्रांसीसी एन्क्लेवों की उच्चस्तरीय कूटनीति से लेकर जमालपुर की घुड़दौड़ की सामाजिक परंपराओं तक, ये कथाएँ गहन अभिलेखीय शोध को काव्यात्मक और भावपूर्ण गद्य के साथ सहज रूप से पिरोती हैं। यह कृति उस मौन क्रांति का अनिवार्य इतिहास है जिसने आधुनिक भारत की आत्मा को गढ़ा। पुस्तक में रेल से संबंधित कुल 32 सत्य घटनाओं पर आधारित कहानियाँ संकलित हैं। श्री मिश्रा आरेडिका में आयोजित व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। वे वर्तमान में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के महाप्रबंधक हैं तथा रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। संगोष्ठी के दौरान उन्होंने पूर्वी रेलवे के निर्माण, इतिहास एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने रेलवे इतिहास से जुड़े कई अनछुए पहलुओं तथा महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों से अधिकारियों को अवगत कराया।

उल्लेखनीय है कि श्री मिश्रा आसनसोल, मालदा एवं अलीपुरद्वार मंडलों में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के रूप में सेवाएँ दे चुके हैं। उन्होंने रेलवे इतिहास पर व्यापक शोध कार्य किया है तथा विभिन्न पदस्थापनाओं के दौरान रेलवे की प्राचीन इमारतों और महत्वपूर्ण धरोहरों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पुस्तक विमोचन समारोह में साहित्यकार पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह, एम एल भट्ट पूर्व कुलपति किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी एवं निदेशक कैंसर संस्थान, लखनऊ, तथा रेल इंथुज़ियास्ट सोसायटी के सदस्यों में श्री संजय मुखर्जी (सेवानिवृत्त सदस्य, वित्त, रेलवे बोर्ड), श्री अतुल्य सिन्हा (रेल साहित्य विशेषज्ञ), जस्टिस एस. पाल, प्रो. जोयदीप दत्ता, तपन कुमार पाल, वैभव, वियान, संदीप शर्मा, हरप्रीत सिंह, तमिश सिंह, पवन कोप्पा, विवेक खरे प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/आरेडिका सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने पुस्तक के गहन शोध एवं आकर्षक शैली की सराहना की। मंच संचालन नंदिनी एवं अस्थानन्द पाठक उप मुख्य वित्त सलहाकार एवं मुख्य लेखाधिकारी ने किया।


**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना संख्याः EL-C-PRYJ-08-25-26 दिनांकः 06.02.2026

**ई-निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 03.03.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् हैः-

| निविदा सं. | प्रकाशित कार्य की लागत (रु. में) | बोली प्रतिभूति (रु. में) |
|---|---|---|
| EL-C-PRYJ-08-25-26 | 7,99,24,597.40/- | 5,49,600.00/- |

कार्य का नामः सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग एंड कमिशनिंग आफ 02 नंबर 2X25 kV बाउंड्री एसपी इन कनेक्शन विद प्रोपोजल आफ लिंक लाइन बेटवीन ETW - BIX लाइन एंड ETW - MNQ लाइन वाया फ्लाईओवर एंड एडिशनल लिंक लाइन फ्राम भिंड लाइन ETW (10 KM) प्रयागराज डिवीजन इन एन. सी. रेलवे।

कार्य अवधिः 18 माह | निविदा खुलने की तिथिः 03.03.2026

नोटः 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 279/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

# मनोविज्ञानशाला उप्र प्रयागराज की ओर से विद्यालयी शिक्षा में निर्देशन, परामर्श विषयक संगोष्ठी संपन्न

## विद्यालय से बच्चों का होता है चतुर्दिक विकास : भगवती सिंह

## शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देशन, परामर्श की सेवाएं देते रहे : पीएन सिंह

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। मनोविज्ञानशाला उत्तर प्रदेश प्रयागराज की ओर से विद्यालयी शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन आज किया गया। शुभारम्भ उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज (यूपी बोर्ड) के सचिव भगवती सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। सचिव

भगवती सिंह ने कहा कि निर्देशन केवल वर्तमान के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। यह एक सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो ना केवल विद्यार्थी से जुड़ी होती है, बल्कि शिक्षक, अभिभावक तथा संपूर्ण शिक्षा जगत की सामूहिक जिम्मेदारी भी हैविद्यालय न केवल शैक्षणिक विकास में बल्कि बच्चों और किशोरों के मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक तथा सामाजिक कल्याण के निर्माण में भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सचिव भगवती सिंह ने कहा कि विद्यालय व्यक्तित्व विकास, मूल्यों के निर्माण, सामाजिक अंतःक्रिया तथा भावनात्मक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण स्थान होते हैं। उन्होने कहा कि हाल के वर्षों में विद्यालय जाने वाले बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, शैक्षणिक तनाव, नशीले पदार्थों के सेवन, व्यवहार संबंधी कठिनाइयों, सामाजिक कौशल की कमी, साथियों के दबाव तथा आत्मघाती प्रवृत्तियों से जुड़ी बढ़ती चिंताओं ने शैक्षणिक संस्थानों में मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवाओं को सुदृढ़ करने की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है।

कार्यक्रम में निदेशक, मनोविज्ञानशाला / डीआईओएस पीएन सिंह ने विद्यालयों में मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवाएँ विद्यार्थियों को विकासात्मक चुनौतियों से निपटने, लचीलापन विकसित करने,

आत्मसम्मान बढ़ाने, निर्णय-निर्माण क्षमताओं में सुधार करने तथा व्यक्तिगत, शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्रों में स्वस्थ समायोजन को प्रोत्साहित करने में सहायक होती हैं।

निदेशक, मनोविज्ञानशाला / डीआईओएस पीएन सिंह ने भावनात्मक एवं व्यवहारिक समस्याओं की प्रारंभिक पहचान, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम तथा सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संवर्धन में भी योगदान देती हैं। उन्होने कहा कि शिक्षकों, परामर्शदाताओं, अभिभावकों और नीति-निर्माताओं को मिलकर एक सहायक एवं समावेशी विद्यालय वातावरण के निर्माण के लिए कार्य करना चाहिए, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास को पोषित करे और उनके मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

निदेशक, मनोविज्ञानशाला / डीआईओएस पीएन सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग के समस्त प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वह विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से निर्देशन एवं परामर्श की सेवाएं सुलभ कराना सुनिश्चित करें।

संगोष्ठी में प्रो एच एस अस्थाना मनोविज्ञान विभाग बीएचयू, विशिष्ट अतिथि प्रो (डा) दिनेश पांडे निदेशक शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मंगलायतन विवि अलीगढ़, प्रो संजय कु एवं डॉ जय सिंह मनोविज्ञान विभाग इविवि प्रयागराज, डॉ मुक्ति खेतान राष्ट्रीय और संचारी रोग कार्य कार्यान्वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर।

संगोष्ठी में 120 प्रतिभागियों ने रिसर्च स्कॉलर असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभिन्न संस्थाओं से आए हुए छात्र एवं छात्राएं ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस दौरान संस्थान के प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया।

# विधायक व सांसद के लिए उनके क्षेत्र में हो स्थाई कार्यालय की व्यवस्था-अमर पाल मौर्य

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। राज्य सभा सांसद अमरपाल मौर्य ने सदन में विधायक के लिए उनके विधानसभा सांसद के लिए लोकसभा क्षेत्र में तथा राज्यसभा सांसद और एलएलसी के लिए उनके नोडल क्षेत्र में स्थाई कार्यालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। जिला मीडिया प्रभारी भाजपा गंगापार उमेश तिवारी के अनुसार सोमवार को राज्य सभा में बोलते हुए राज्य सभा सांसद और भाजपा काशी क्षेत्र प्रभारी अमर पाल मौर्य ने कहा कि देश में कुल 788 सांसद और 4549 विधायक है जहां एक तरफ ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए सरकारी कार्यालय की व्यवस्था है पर विधायक और सांसद के लिए कोई स्थाई कार्यालय उपलब्ध नहीं है जबकि

एक सांसद या विधायक का दायित्व है कि वो अपने क्षेत्र की जनता से नियमित संवाद करें उनकी समस्याओं को सुने और और समाधान की दिशा में काम करें लेकिन कार्यालय उपलब्ध न होने के कारण यह कार्य बाधित होता है आम जनता को अपने जनप्रतिनिधियों से जनसंवाद स्थापित करने में कई बार समस्या का सामना करना पड़ता है। जबकि जनता और जनप्रतिनिधि के बीच सीधा संवाद है लोकतंत्र का मूल आधार है कार्यालय न होने से गंभीर विषयों पर विस्तृत चर्चा नहीं हो पाती।इसलिए एक राष्ट्रीय नीति बनाई जाय जिसके अंतर्गत सभी विधायकों और सांसदों को उनके विधानसभा लोकसभा के जिला विकास खंड तथा तहसील स्तर पर एक स्थाई कार्यालय उपलब्ध कराया जाय तथा कार्यालय के लिए एक कंप्यूटर ऑपरेटर/ सहायक की नियुक्ति भी की जाय और उन्हें अन्य संसाधन भी उपलब्ध कराया जाय तथा सांसद का कार्यालय लोकसभा स्पीकर तथा विधायक का कार्यालय विधानसभा स्पीकर के माध्यम से संचालित किया जाय।

# नगर आयुक्त ने स्वच्छ संरक्षण पर विभागीय बैठक आयोजित की

## शहर को स्वच्छ करने के लिए सुझाव दिए

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज ने आज नगर आयुक्त श्री सीलम साई तेजा जी ने स्वच्छ संरक्षण पर विभागीय बैठक आयोजित किया जिसमें

बैठक का उद्देश्य स्वच्छ संरक्षण के महत्व पर चर्चा करना और कार्यों की योजना बनाई गई। बैठक में शामिल होने वाले लोगों में अपर नगर आयुक्त सहायक नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी को शहर में जिसमें सामुदायिक केंद्र, स्कूल, स्थानीय पार्क, शहर के मंदिरों, सड़कों आदि स्थानों पर सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान केंद्रित करने को कहा।

बैठक के दौरान चर्चा किए गए कार्यों की एक योजना बनाएं और उन्हें लागू करने के साथ स्वच्छ संरक्षण के तहत स्थानीय स्वच्छता समस्याओं की पहचान स्वच्छता अभियान , कचरा प्रबंधन और रिसाइकलिंग पर कार्य करने के निर्देश दिए।

शहर में आगामी बरसात के मौसम से पहले शहर के साथ नगर निगम के समस्त जोनल अधिकारियों को सफाई, चोक नाली,

पुलिया एवं नालों के साफ सफाई एवं पानी की व्यवस्था में सुधार के साथ मरम्मत एवं निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल निगम के सभी जोन को निर्देश दिए कि नलकूप के मरम्मत एवं पानी को स्वच्छता पर ध्यान देने एवं जल की समस्याओं निस्तारण की बात कही इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार रॉय, राजीव कुमार शुक्ला जलकल विभाग के महाप्रबंधक गौरव कुमार एवं शिवम मिश्रा सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पाण्डेय मुख्य अभियंता अनिल कुमार मौर्या, दिनेश सचान विद्युत से संजय कटियार एवं सभी जोनल अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# मकान पर पुलिस का छापा, भागे युवक-युवतियां

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। सिविल लाइंस के पत्रिका चौराहे के समीप सोमवार शाम पुलिस ने एक मकान पर छापेमारी की। हालांकि, पुलिस टीम को देखते ही आधा दर्जन से अधिक युवक-युवतियां आसपास की छतों पर कूदकर भाग निकले। पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है। पुलिस की छापेमारी और छत से भागते लोगों की फोटो व वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि हिन्दुस्तान अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है। पुलिस के अनुसार, मोहल्ले के कुछ लोगों ने सोमवार शाम डायल 112 पर फोन कर मकान में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दी थी।

इसकी जानकारी होते ही पीआरवी की टीम ने मकान पर दबिश दी। लेकिन, पुलिस की भनक लगते ही मकान के अंदर से आधा दर्जन से अधिक युवक व युवतियां आसपास के मकानों की छत से होते हुए फरार हो गए। पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर सिविल लाइंस थाने ले गई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में छत से भागते हुए एक गार्ड को पकड़कर पुलिस कड़ाई से पूछताछ करती दिख रही है। वहीं, कुछ युवक व युवतियों के छतों को फांदते हुए भागने की फोटो दिख रही है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

# रेस्टोरेंट संचालक से मारपीट व रंगदारी

## तमाशबीन बने रहे लोग, मंदबुद्धि महिला ने किया विरोध

**मंत्र भारत संवाददाता**

नैनी, प्रयागराज। नैनी रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक रेस्टोरेंट में दबंगों द्वारा सरेआम गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने रेस्टोरेंट में घुसकर संचालक से मारपीट की, गाली-गलौज की और रंगदारी की मांग की। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पीड़ित रेस्टोरेंट संचालक राजेश तिवारी ने बताया कि वह कई वर्षों से स्टेशन के सामने रेस्टोरेंट चला रहे हैं। 8 फरवरी की रात करीब 10:35 बजे कुलदीप मिश्रा और अनिल भारतीय अपने 10-12 साथियों के साथ रेस्टोरेंट पहुंचे। खाना खाने के बाद जब उनसे बिल मांगा गया, तो वे गाली-गलौज करने लगे और मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने खुलेआम धमकी दी कि दोबारा पैसे मांगे तो गोली मार देंगे। उन्होंने 2, 000 रुपये प्रति सप्ताह रंगदारी की मांग करते हुए कहा कि पैसे न देने पर रेस्टोरेंट नहीं चलने देंगे और जान से मार देंगे। घटना के दौरान रेस्टोरेंट में मौजूद अधिकांश लोग मूकदर्शक बने रहे। हालांकि, वहां मौजूद एक मंदबुद्धि महिला ने साहस दिखाते हुए आरोपियों का विरोध किया और उन्हें रोकने का प्रयास किया।

काफी देर बाद मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय पार्षद राकेश जायसवाल ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया और पीड़ित को न्याय का भरोसा दिलाया।

राजेश तिवारी का यह भी आरोप है कि दबंगों ने पुलिस में शिकायत करने पर झूठे एससी-एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दी, जिससे उनका परिवार मानसिक तनाव में है।

पीड़ित ने नैनी थाने में लिखित शिकायत देकर सीसीटीवी फुटेज भी सौंप दी है। इस संबंध में एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया गया है और जांच की जा रही है।

# चार दिन से लापता सिक्योरिटी सुपरवाइजर का शव नैनी में मिला, कर्ज बना मौत की वजह

**मंत्र भारत संवाददाता**

नैनी, प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र निवासी राकेश मिश्रा (38) का शव चार दिन बाद नैनी लेप्रोसी चौराहे के पास रेलवे ओवरब्रिज के समीप एक पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से उतारकर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मृतक राकेश मिश्रा उर्फ गुड्डू नैनी स्थित गंगा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इकाई में एक सिक्योरिटी कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। वह 5 फरवरी को ड्यूटी के लिए घर से निकले थे, जिसके बाद लापता हो गए थे। परिजनों ने नैनी कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जांच के दौरान गंगा प्रदूषण बोर्ड परिसर में उनकी बाइक मिली, जिसकी डिग्गी से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ था। नोट में आत्महत्या करने की बात लिखी थी और करीब 57 लाख रुपये के लेन-देन का उल्लेख था। इसके बाद पुलिस ने यमुना नदी में गोताखोरों की मदद से भी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला था।

ग्रामीणों और परिजनों के अनुसार, राकेश पर भारी कर्ज था। बताया जा रहा है कि वह मोबाइल गेम खेलने का आदी था और इसमें पैसे लगाने के कारण उसने ब्याज पर काफी रकम उधार ली थी। कर्जदाताओं के लगातार दबाव के चलते वह मानसिक तनाव में था। बताया गया है कि उस पर करीब 60 लाख रुपये तक का कर्ज हो चुका था।

रविवार रात को राकेश ने

प्रयागराज पहुंचकर नए मोबाइल से अपने साथी राजा से संपर्क किया था और परिवार की जानकारी ली थी। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली कि युवक ने फांसी लगा ली है।

परिजन उसे तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पत्नी ने चार लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि राकेश मोबाइल गेम के कारण कर्ज में डूब गया था और कर्जदाताओं के दबाव से परेशान था। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

# एरी सखी मंगल गाओ री’ के सुरों से सजी ‘चलो मन गंगा-यमुना तीर’ की सांस्कृतिक संध्या

## एस. मंगलामुखी ने कथक नृत्य से दर्शकों को किया अभिभूत

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘चलो मन गंगा-यमुना तीर’ कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार की सांस्कृतिक संध्या भजन गायक किशोर चतुर्वेदी एवं सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना देवेन्द्र देविका एस. मंगलामुखी की मनोहारी प्रस्तुतियों के नाम रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सशक्त बिरहा से हुआ। इसके पश्चात कथक नृत्यांगना देवेन्द्र देविका एस. मंगलामुखी ने गंगा जी के आह्वान के साथ लखनऊ घराने के झपका कथक की प्रस्तुति देकर दर्शकों को तालियों से मंच को गूंजाने पर विवश कर दिया। उन्होंने शिव रुद्राष्टकम्, पारंपरिक तीन ताल में उपज, ठाठ, विलंबित, टुकड़े, तिहाई एवं सवाल-जवाब की सशक्त प्रस्तुति दी। अभिनय पक्ष में पंडित बिंदादिन महाराज जी की प्रसिद्ध ठुमरी ‘डगर चलत’ को कथक के माध्यम से भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

इसके उपरांत भजन गायक किशोर चतुर्वेदी ने चलो मन गंगा-यमुना तीर, ए री सखी मंगल गाओ री एवं भला हुआ मेरी मटकी फूटी जैसे लोकप्रिय भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं स्वाति रिज़वी ने सबसे ऊंची प्रेम सगाई तथा गंगा मैया में जब तक के पानी रहे की प्रस्तुति देकर श्रोताओं से खूब तालियां बटोरीं। आराधना विश्वकर्मा ने उपशास्त्रीय गायन प्रस्तुति दी।

इसके बाद प्रत्युष श्रीवास्तव ने जलतरंग व भजन गायन के माध्यम से सांवली सूरत पे मोहन, सजा दो घर को गुलशन सा मेरे सरकार आए हैं तथा छाप तिलक की जोरदार

प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तबले पर राजकुमार, हारमोनियम पर संतोष तिवारी एवं वाद्य यंत्रों पर ज्योति प्रकाश शुक्ल ने संगत की। वहीं संगम क्षेत्र में मान सिंह एवं दल द्वारा स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय शिल्प मेला के अंतर्गत आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता तथा ब्रह्मनाद कला महोत्सव के तहत मंत्रोच्चारण, काव्यपाठ, वादन, गायन, नृत्य, चित्रकला एवं मृत्तिकला प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना) को केंद्र निदेशक श्री सुदेश शर्मा, कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय एवं उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

# गंगा समग्र के राष्ट्रीय सह संपर्क प्रमुख बनाए गए अखिलेश शर्मा

## हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने महासचिव अखिलेश शर्मा का बार में किया स्वागत, अभिनंदन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव और वरिष्ठ अधिवक्ता अखिलेश कुमार शर्मा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन गंगा समग्र का राष्ट्रीय सह सम्पर्क प्रमुख का दायित्व सौंपा गया है। उन्हें यह दायित्व नई दिल्ली स्थित केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल में आयोजित गंगा समग्र के छठवें तीन दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में सौंपा गया। कार्यक्रम 6, 7 एवं 8 फरवरी को आयोजित हुआ था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डा कृष्ण गोपाल ने किया। जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचे कार्यकर्ताओं को सह सरकार्यवाह डा कृष्ण गोपाल ने संबोधित किया। दूसरे दिन सर्व सम्मति से नौ प्रस्ताव पारित किए गए। तीन दिन तक विभिन्न सत्रों के आयोजन के कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रहे। इस मौके पर मंगल धाम देवघर के संत आचार्य प्रदीप, गंगा समग्र के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष, राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, संयुक्त महामंत्री अवधेश, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ आशीष गौतम, केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल दिल्ली की प्रधानाचार्य डॉ संगीता भाटिया आदि उपस्थित रहे। महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा को राष्ट्रीय सह संपर्क प्रमुख बनाए जाने पर सोमवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पाण्डे बबुआ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, राज कुमार त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद मिश्र, बैरिस्टर सिंह, रामेश्वर दत्त पाण्डेय, अंजनी कुमार मिश्र, दिवांशु तिवारी, बलदेव शुक्ल, अभिषेक तिवारी, गया प्रसाद मिश्र, गिरीश चन्द्र शुक्ला, अवनीश चन्द्र त्रिपाठी, कृष्ण मोहन पाण्डेय आदि ने बधाई दी है।

# जी ने किया मारुति सुज़ुकी प्रस्तुत 24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 का ऐलान

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। जी, जो भारत की एक बड़ी कंटेंट और टेक्नोलॉजी कंपनी है, देश के एंटरटेनमेंट जगत को आकार देने में लंबे समय से अहम भूमिका निभाता आया है। ज़ी ने हमेशा कहानियों को नए अंदाज़ में पेश करने की कोशिश की है, ताकि दर्शक उन्हें सिर्फ़ देखें ही नहीं, बल्कि महसूस भी कर सकें। भावनाओं से जुड़ी कहानियों को नई तकनीक के साथ जोड़ते हुए, ज़ी टीवी, डिजिटल और अलग-अलग भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचता रहा है। कई दशकों के अनुभव के साथ, यह नेटवर्क अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से जुड़ने के नए तरीके तलाशता रहा है, जिससे रिश्ता और भी गहरा और मज़बूत बन सके।

# स्प्रिंगर पब्लिक स्कूल में कक्षा 12 के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई

**मंत्र भारत संवाददाता**

थरवई। स्प्रिंगर पब्लिक स्कूल, 40 नंबर गोमती में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह और भावनाओं से सराबोर रहा। विद्यार्थियों ने विद्यालय और शिक्षकों के प्रति अपने अनुभव साझा किया गया विद्यार्थियों ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि एक ऐसा ज्ञान मंदिर है जहाँ से उनके उज्ज्वल भविष्य और करियर की नींव पड़ी। उन्होंने विद्यालय द्वारा दिए गए संस्कारों को जीवनभर का मार्गदर्शक बताया। समारोह के दौरान अंजली प्रजापति को मिस फेयरवेल तथा अंश विश्वकर्मा को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। दोनों विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट व्यक्तित्व, अनुशासन और विद्यालय के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया।विद्यालय के निदेशक संजय शुक्ला एवं प्रधानाचार्य नीरज कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का स्थान नहीं, बल्कि संस्कारों और बेहतर व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है। कक्षा 12 के छात्र-छात्राएं अब जीवन के एक नए पड़ाव पर कदम रख रहे हैं, जहाँ उन्हें अपने ज्ञान और मूल्यों के सहारे सफलता की ओर बढ़ना है।समारोह में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गीत एवं कविता पाठ जैसी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

# पांडेश्वरनाथ धाम पहुंचे सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रयागराज। सोमवार दोपहर में पाण्डेश्वर नाथ महादेव पंडिला मंदिर में सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय ने दर्शन पूजन किया और मंदिर परिसर में बने धर्म शाला में पहुंचे और कहा सवर्ण समाज के लिए हम सदैव आप सभी के साथ हैं उनके जानने वाले एवं सवर्ण समाज के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया इस अवसर पर आशीष तिवारी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गरुण सेना, पण्डित मगन भट्ट सेवक , शिवम मिश्रा, शिव कुमार सिंह, भजन शर्मा, शिवाजी , शुभम मिश्रा आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

## सम्पादकीय

# रूस से तेल या अमेरिका से व्यापार की राह, भारत के नए समझौते की अग्निपरीक्षा

पिछले करीब एक वर्ष से गहन विचार-विमर्श के बाद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर आखिरकार द्विपक्षीय सहमति बन गई है। दोनों देशों की ओर से शनिवार को इसका एलान किया गया। समझौते के नियम-शर्तों के तहत अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को घटाकर अठारह फीसद करेगा। वहीं, भारत की ओर से अमेरिका की सभी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम किया जाएगा।

निश्चित रूप से यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा, लेकिन नफा-नुकसान का पलड़ा किस ओर भारी रहेगा, इसको लेकर अलग-अलग विश्लेषण सामने आए हैं। ऐसे में कुछ आशंकाएं और सवाल भी उठ रहे हैं कि इस समझौते को आकार देने में अड़चन कहां थी और अब ऐसा क्या हुआ कि दोनों पक्ष इसके लिए राजी हो गए। हालांकि, इस मामले में भारतीय सत्तापक्ष की ओर से स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई है, लेकिन विपक्ष इससे सहमत नहीं है।

भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित व्यापार समझौते पर पहले चरण की बातचीत शुरू की थी। कई दौर की वार्ता के बाद भी दोनों पक्षों के बीच कुछ मसलों पर आम सहमति नहीं बन पाई, जिनमें भारतीय कृषि और डेयरी बाजार में अमेरिका की पहुंच को विस्तार देने का मुद्दा भी शामिल था। दरअसल, अमेरिका शुरू से यह मांग करता रहा है कि भारतीय कृषि एवं डेयरी बाजार को उसके लिए पूरी तरह खोल दिया जाए। जबकि भारत इस मांग को खारिज करता रहा है। अब इस समझौते की जिस रूपरेखा पर सहमति बनी है, उसके मुताबिक अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों पर भारत आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा।

इससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि भारत ने इस मसले पर उदार रुख अपनाकर अपने कदम आगे बढ़ाए हैं। माना जा रहा है कि समझौते के लागू होने से भारतीय बाजार में अमेरिका के कृषि उत्पादों की आवक बढ़ेगी, जिसका असर देश के किसानों पर पड़ सकता है। हालांकि, सरकार का दावा है कि देश के किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और इस समझौते से उन्हें भी लाभ होगा।

व्यापार समझौते की शर्तों में यह बात भी शामिल है कि भारत अगले पांच वर्ष में 500 अरब डालर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान एवं उसके कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोयला खरीदेगा। साथ ही रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तेल खरीद बंद करनी होगी। यानी समझौते का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत इन शर्तों को पूरा कर पाता है या नहीं। इसमें दोराय नहीं कि भारतीय वस्तुओं का निर्यात, जो अमेरिकी शुल्क की वजह से प्रभावित हुआ था, वह फिर से पटरी लौट आएगा।

सरकार का कहना है कि इससे तीस हजार अरब अमेरिकी डालर का बाजार खुलेगा, जो भारतीय निर्यात को नई दिशा देगा। सवाल है कि क्या अमेरिका से आयात और निर्यात के बीच संतुलन का ध्यान रखा गया है? विपक्ष का आरोप है कि इस समझौते से भारत के मुकाबले अमेरिका को ज्यादा फायदा होगा।

वहीं सत्तापक्ष की दलील है कि अमेरिका के कुछ कृषि उत्पादों को कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी जाएगी, जिसका भारतीय किसानों की आजीविका पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बहरहाल, समझौते के नफा-नुकसान का वास्तविक आकलन तभी हो पाएगा, जब कुछ दिनों में द्विपक्षीय कारोबार के आंकड़े सामने आएंगे।

# 'ऑरेंज अर्थव्यवस्था' बदलेगी भारत की आर्थिक तकदीर, बजट 2026 से हैं उम्मीदें

इस बार के केंद्रीय बजट ने देश को एक नया आर्थिक मंत्र दिया है। इसे 'नारंगी अर्थव्यवस्था' (ऑरेंज इकोनॉमी) का नाम दिया गया है। यह भारत के विकास की उस नई अवधारणा का प्रतीक है जो ईंट-गारे या भारी मशीनों पर नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क की असीम रचनात्मकता पर टिकी है।

दरअसल, जब हम इस अर्थव्यवस्था से देश के विकास की बात करते हैं, तो हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर रहे होते हैं जो दुनिया का कारखाना बनने की बजाय विश्व का 'विचार-कक्ष' बनने की ओर अग्रसर है। यह बदलाव भारत की आर्थिक तकदीर बदलने की क्षमता रखता है, क्योंकि यह हमारी सबसे बड़ी ताकत, हमारी युवा आबादी और समृद्ध संस्कृति का सीधा उपयोग करता है।

वैश्विक स्तर पर देखें, तो आज दुनिया के विकसित देश अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का बड़ा हिस्सा बौद्धिक संपदा और रचनात्मक उद्योगों से प्राप्त करते हैं। भारत का यह कदम उसे वैश्विक महाशक्तियों की कतार में खड़ा करने की एक सुविचारित रणनीति है। 'नारंगी अर्थव्यवस्था' का मूल सिद्धांत यह है कि एक विचार, एक डिजाइन या एक कहानी, तेल के कुएं या सोने की खदान से भी अधिक मूल्यवान हो सकती है।

परंपरागत अर्थव्यवस्था में संसाधनों की एक सीमा होती है, लेकिन रचनात्मकता का स्रोत अनंत है। वर्ष 2026-27 के बजट में सरकार ने एनिमेशन, गेमिंग और अन्य डिजिटल सामग्री निर्माण को जिस तरह से प्राथमिकता दी है, वह इस बात का संकेत है कि भारत अब अपनी बौद्धिक संपदा से धन कमाना चाहता है। अब तक हम दुनिया के लिए 'कोडिंग' करते थे, विदेशी कंपनियों के लिए डेटा पर काम करते थे, लेकिन उत्पाद उनका होता था और असली मुनाफा भी उन्हीं का होता था। मगर 'नारंगी अर्थव्यवस्था' इस समीकरण को बदल देती है।

जब भारत में बना कोई वीडियो गेम, कोई फिल्म या कोई फैशन डिजाइन दुनिया भर में बिकता है, तो उसका मालिकाना हक भारत के पास रहता है। यह 'सेवा प्रदाता' से 'मालिक' बनने की यात्रा है, जो देश के आर्थिक स्वाभिमान को नई ऊंचाई देगी। जब हम किसी विदेशी कंपनी के लिए काम करते हैं, तो हमें एक बार भुगतान मिलता है, लेकिन जब हम किसी रचनात्मक उत्पाद के मालिक होते हैं, तो वह उत्पाद हमें वर्षों तक और कभी-कभी पीढ़ियों तक कमाई करके देता है। यही वह तरीका है जिसने अमेरिका और जापान की अर्थव्यवस्थाओं को इतना मजबूत बनाया है। अब भारत उसी राह पर चल पड़ा है।

देश के विकास में इस अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान रोजगार के स्वरूप को बदलने में होगा। भारत के पास दुनिया में सबसे अधिक युवा है, लेकिन हर युवा इंजीनियर या डाक्टर नहीं बन सकता। लाखों युवाओं के पास कलात्मक प्रतिभा है। कोई अच्छा चित्रकार है, कोई संगीतकार है, तो कोई कहानियां लिख सकता है। अब तक इस प्रतिभा को केवल शौक माना जाता था, जिससे आजीविका नहीं चलती थी। मगर 'नारंगी अर्थव्यवस्था' ने इन हुनर को उच्च भुगतान वाले करियर में बदल दिया है।

सरकार द्वारा स्कूलों और कालेजों में पंद्रह हजार 'कंटेंट क्रिएटर लैब' खोलने की घोषणा ने इस बदलाव को संस्थागत रूप दे दिया है। जब एक साधारण परिवार का बच्चा स्कूल में ही डिजिटल कला और डिजाइन की बारीकियां सीखेगा, तो वह भविष्य में नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि अपनी कला के दम पर दुनिया से काम लेने वाला बनेगा। 'नारंगी अर्थव्यवस्था' विकास को बड़े शहरों से निकाल कर छोटे शहरों और गांवों तक ले जाती है।

एक बड़ी फैक्टरी लगाने के लिए जमीन, बिजली और परिवहन की जरूरत होती है, जो विशेष औद्योगिक क्षेत्रों में ही संभव है। मगर रचनात्मकता के लिए केवल एक कंप्यूटर, इंटरनेट और एक कुशल दिमाग की जरूरत होती है। आज भारत के एक छोटे शहर या कस्बे का कोई भी ग्राफिक डिजाइनर घर बैठे अमेरिका या यूरोप के ग्राहकों के लिए काम कर सकता है। यह भौगोलिक बाधाओं को पार कर आर्थिक अवसरों का विकेंद्रीकरण है।

जब छोटे शहरों में पैसा आता है, तो वहां के स्थानीय बाजार फलते-फूलते हैं और पलायन की मजबूरी कम होती है। इस तरह, 'नारंगी अर्थव्यवस्था' केवल जीडीपी के आंकड़े नहीं बढ़ाती, बल्कि यह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी वैश्विक बाजार से जोड़ती है। इस विकेंद्रीकरण का एक और लाभ महिला सशक्तिकरण के रूप में सामने आ रहा है। हमारे देश में कई प्रतिभाशाली महिलाएं पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण घर से बाहर जाकर सुबह नौ से शाम पांच बजे की नौकरी नहीं कर पाती थीं। अब उनके लिए भी राहें खुलेंगी।

'नारंगी अर्थव्यवस्था' केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की हजारों साल पुरानी हस्तशिल्प और कारीगरी की परंपरा को भी पुनर्जीवित कर रही है। भारत के कोने-कोने में बांस की कलाकारी, मधुबनी पेंटिंग और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले लाखों कारीगर हैं। यह अर्थव्यवस्था इन पारंपरिक कौशलों को आधुनिक डिजाइन और ई-कामर्स के साथ जोड़ती है। जब एक आदिवासी कलाकार की बनाई पेंटिंग को डिजिटल रूप में बेचा जाता है या जब खादी के कपड़ों को एक फैशन ब्रांड के रूप में दुनिया के सामने रखा जाता है, तो यह परंपरा और तकनीक का एक अनूठा संगम होता है।

यह 'वोकल फार लोकल' अभियान को 'लोकल फार ग्लोबल' में बदलने की शक्ति रखता है। इससे न केवल हमारी विरासत सुरक्षित रहती है, बल्कि उन कारीगरों को भी उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिलता है जो अब तक बिचौलियों के कारण शोषण का शिकार थे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में, 'नारंगी अर्थव्यवस्था' भारत के लिए एक सुरक्षा कवच है। जैसे-जैसे मशीनें इंसानों के नियमित काम छीन रही हैं, यह सवाल उठता है कि भविष्य में इंसान क्या करेगा?

इसका उत्तर रचनात्मकता में छिपा है। मशीनें गणना कर सकती हैं, लेकिन वे मानवीय संवेदनाओं के साथ मौलिक सृजन नहीं कर सकतीं। इसलिए, रचनात्मक क्षेत्र में निवेश करना देश के भविष्य को सुरक्षित करना है। यह सुनिश्चित करता है कि हमारी आने वाली पीढ़ियां तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ मानवीय रूप से भी प्रासंगिक बनी रहें। जब मानव मस्तिष्क की कल्पनाशीलता कृत्रिम मेधा की गति के साथ मिलती है, तो परिणामों की गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है।

भारत का युवा वर्ग, जो तकनीक को बहुत जल्दी अपनाता है, इस सह-अस्तित्व का सबसे अच्छा उदाहरण बन कर उभर सकता है। जब रचनात्मक उद्योग बढ़ता है, तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं मिलता। इससे हार्डवेयर बनाने वाली कंपनियों की बिक्री बढ़ती है, इंटरनेट डेटा की खपत बढ़ती है और पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। इससे स्थानीय टैक्सी वालों, होटल वालों और दुकानदारों की भी आय बढ़ती है। यानी एक रचनात्मक विचार पूरी अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह बढ़ा देता है।

वास्तव में, 'नारंगी अर्थव्यवस्था' भारत के आत्मविश्वास की एक नई कहानी है। यह इस विश्वास की बहाली है कि भारतीय दिमाग केवल नौकरी करने के लिए नहीं, बल्कि नए आविष्कार और नई दुनिया रचने के लिए बना है। जब देश का युवा अपनी शर्तों पर, अपनी भाषा में और अपनी संस्कृति के रंगों में दुनिया को कुछ नया देगा, तो उसी से विकास की सार्थकता परिभाषित होगी।

# स्कूलों में शौचालय और माहवारी स्वच्छता पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पर जमीनी हकीकत अब भी चिंताजनक

सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली एक जीवंत लोकतांत्रिक समाज का मजबूत आधार है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) ने इसे परिवर्तित, सुधारे गए और अधिक सक्षम बनाने के लिए अनेक प्रावधान किए हैं। चाहे सरकार द्वारा संचालित स्कूल हों या निजी संस्थान, शिक्षा सब तक समान रूप से पहुंचनी चाहिए। शिक्षा शास्त्रियों का मानना है कि सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से काम करने की संस्कृति एक जैसी होनी चाहिए। अगर शिक्षा प्रणाली और प्रबंधन में एकरूपता आ जाए, तो वर्ग-भेद मिट जाएगा। शिक्षा के मंदिरों का स्वरूप भी लगभग एक समान होना चाहिए। निजी विद्यालयों पर नियमों की भरमार हो और सरकारी स्कूलों में उनकी अनदेखी हो, यह स्वीकार्य नहीं। अगर निजी स्कूल संसाधनों या नियमों के अभाव में कमजोर पड़ते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द हो सकती है। उसी प्रकार, सरकारी विद्यालयों में नियमों की अवहेलना पर उनकी मान्यता रद्द करने का प्रावधान अनिवार्य होना चाहिए।

एनईपी-2020 शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक और योजनाबद्ध तरीके का भरोसा दिलाती है। पांच वर्ष बीतने के बावजूद इसके उज्ज्वल परिणाम अभी देखना शेष है, लेकिन यह स्कूलों, संस्थानों, शिक्षकों, अधिकारियों, समुदायों और हितधारकों को सशक्त बनाने तथा संसाधनों से परिपूर्ण रखने वाली संस्कृति विकसित करने का वादा करती है। साथ ही, जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पारदर्शी सार्वजनिक स्व-प्रकटीकरण पर जोर दिया गया है। शिक्षा संस्थानों में उपयोगी संसाधनों का समुचित उपयोग सभी को लाभान्वित करता है। स्कूल प्रबंधन में खेलकूद के साधन, कक्षाओं की उपलब्धता और स्थानीय नागरिकों का जुड़ाव शिक्षा व्यवस्था को ऊर्जावान बनाता है। मगर बच्चों के लिए आवश्यक संसाधनों के अभाव में बीच में पढ़ाई छोड़ने की समस्या बनी रहती है। विशेष रूप से छात्राओं के लिए स्कूल समय के दौरान निजी जरूरतों की व्यवस्था पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।

भारत जैसे विकासशील देश के अधिकांश स्कूलों में- चाहे वे केंद्र या राज्य सरकार के हों या निजी- छात्राओं के लिए पर्याप्त शौचालयों का अभाव है। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता की मूलभूत सुविधाओं का न होना छात्राओं को शिक्षा से दूर कर देता है। अगर शौचालयों के साथ-साथ सैनिटरी पैड और माहवारी स्वच्छता के मौलिक अधिकार पर ध्यान न दिया जाए, तो छात्राओं की स्कूल से दूरी बढ़ती जाएगी। आमतौर पर देखा जाता है कि सरकारी स्कूलों में स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सैनिटरी पैड मशीनें लगाई जाती हैं, लेकिन कुछ समय बाद खराब होने पर ये सरकार की प्राथमिकता सूची से बाहर हो जाती हैं। अनेक मामलों में शौचालय ताले में बंद रहते हैं, जिससे छात्राओं को खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि सामाजिक कुप्रथा को भी बढ़ावा देता है।

विचित्र है कि भारत में ऐसे जरूरी मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट या अन्य न्यायालयों को सक्रिय होना पड़ता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रबंधन शिक्षा-शास्त्रियों और उच्च वेतनभोगी नौकरशाहों की सोच का हिस्सा क्यों नहीं बन पाता? सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण अनिवार्य किया है, ताकि छात्राएं अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग कर सकें। यह सुविधा मध्य, माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। फिर भी, जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन कमजोर है।

सरकार को प्रत्येक स्कूल में छात्राओं को जैविक रूप से अपघटनीय सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने चाहिए। स्कूल प्रबंधन सरकारी हो या गैर-सरकारी, अगर शौचालय या स्वच्छता संबंधी सुविधाएं प्रदान करने में असफल रहता है, तो उनकी जवाबदेही तय करते हुए मान्यता रद्द की जानी चाहिए। नई शिक्षा नीति केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। प्रबंधन के दृष्टिकोण से इसके मसविदे पर पुनर्विचार आवश्यक है। छात्राओं के लिए माहवारी स्वच्छता को नीति का प्रभावी हिस्सा बनाना होगा।

नई शिक्षा नीति- 2020 ने स्कूलों को संसाधन-संपन्न बनाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने का वादा किया है, लेकिन छात्राओं की इन बुनियादी जरूरतों पर ठोस प्रावधानों का अभाव है। अगर इस संवेदनशील विषय पर ध्यान न दिया गया, तो बीच में पढ़ाई छोड़ने की समस्या तो बढ़ेगी ही, साथ ही लिंग भेदभाव गहरा जाएगा। छात्राएं शिक्षा से वंचित रहेंगी, जो राष्ट्र निर्माण के लिए घातक होगा। सरकार, शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन को जरूरी कदम उठाने चाहिए। प्रत्येक स्कूल में छात्राओं के लिए अलग, स्वच्छ और कार्यशील शौचालय अनिवार्य किए जाने की जरूरत है।

अनेक अध्ययनों में यह तथ्य उजागर हो चुका है कि स्वच्छ शौचालय और पेयजल के अभाव के कारण बहुत सारी लड़कियां अपनी स्कूली पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। इसके अलावा, माहवारी से जुड़ी परेशानियों को लेकर भी समाज में लोग सहज नहीं होते और इसका खमियाजा महिलाओं और लड़कियों को उठाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जैविक रूप से अपघटनीय सैनिटरी पैड स्कूल प्रबंधन द्वारा मुफ्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मशीनों के रखरखाव के लिए नियमित निगरानी और कोष सुनिश्चित करने की जरूरत है। मान्यता रद्द करने जैसे सख्त प्रावधान लागू किए जाने चाहिए। जागरूकता अभियान चलाकर मासिक धर्म को संकीर्ण सोच से मुक्त किए जाने की जरूरत है। यदि एनईपी इन मुद्दों से समृद्ध किया जाए, तो यह वास्तव में समावेशी और सशक्तीकरण लाने वाली बनेगी। आधी आबादी को शिक्षा का पूर्ण अधिकार दिलाने के लिए अब ठोस कार्रवाई जरूरी है।

# ईरान और अमेरिका ने एक दूसरे के खिलाफ पूरा जोर लगाकर दुनिया को चिंता में डाला

ईरान पर युद्ध के मंडराते बादल अब और घने होते जा रहे हैं क्योंकि ओमान में बातचीत के लिए आये ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर बातचीत नहीं की। बातचीत ओमान की मध्यस्थता में हुई। यानि ईरान अपनी बात ओमान से कहता, ओमान वही बात जाकर अमेरिका से कहता और अमेरिकी जवाब को आकर ईरानी प्रतिनिधि को बताता। साथ ही इस वार्ता से पहले दोनों ओर से जिस तरह के धमकी भरे बयान आये और भारी हथियारों की तैनाती की गयी उससे यह साफ हो चला था कि वार्ता महज दिखावा है।

हम आपको बता दें कि ओमान ने कहा है कि उसके विदेश मंत्री ने मस्कट में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों से अलग अलग मुलाकात कर परमाणु मामले पर परोक्ष वार्ता को आगे बढ़ाया। बताया जा रहा है कि वार्ता स्थल पर ईरान इस बात से भड़क गया कि अमेरिकी दल में एडमिरल ब्रैड कूपर जैसे सैन्य अधिकारी मौजूद थे। देखा जाये तो बीते वर्ष ईरान के परमाणु ढांचे पर हुए अमेरिकी हमले के बाद भले पहली औपचारिक वार्ता हुई है लेकिन उससे पहले ही बयानबाजी, सैन्य जमावड़े और परोक्ष धमकियों ने माहौल को बारूदी बना दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई को खुली चेतावनी दी कि उन्हें बहुत चिंतित रहना चाहिए। यह चेतावनी उस समय आयी है जब ईरान के भीतर सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कड़ी कार्रवाई हुई, इंटरनेट पर पाबंदी लगी और सड़कों पर असंतोष उभरा।

हम आपको बता दें कि ओमान की राजधानी मस्कट में हुई वार्ता में ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेड कुश्नर शामिल हुए। वार्ता शुरू होने से पहले भी अनिश्चितता बनी रही। खबरें आयीं कि अधिकारिक शुरुआत टली हुई है लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि संदेश ओमान के जरिये आगे पीछे किये जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका ने वार्ता से पहले कहा था कि वह चाहता है कि परमाणु कार्यक्रम के साथ-साथ ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता, क्षेत्र में सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ ईरान के व्यवहार पर भी चर्चा हो मगर तेहरान ने साफ कह दिया था कि बात केवल परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंध हटाने तक सीमित रहेगी।

ईरान ने संकेत दिये हैं कि वह यूरेनियम संवर्धन पर कुछ लचीलापन दिखा सकता है, यहां तक कि उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम का कुछ भंडार सौंपने या साझा व्यवस्था के तहत शून्य संवर्धन तक पर विचार कर सकता है। पर साथ ही वह कहता है कि संवर्धन का अधिकार सौदे का विषय नहीं और 2018 के बाद फिर लगाये गये प्रतिबंध हटने चाहिए।

इसी बीच, ईरानी सरकारी प्रसारण ने बताया कि उसकी सबसे उन्नत लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खुर्रमशहर चार को भूमिगत मिसाइल नगर में तैनात किया गया है। इसकी मारक दूरी 1240 मील से अधिक और भारी वारहेड ढोने की क्षमता बतायी गयी है। इस दौरान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के राजनीतिक उप प्रमुख यदोल्लाह जवानी ने दो टूक कहा कि कूटनीति अपनाने का अर्थ सैन्य ताकत छोड़ना नहीं है, ईरान युद्ध नहीं चाहता पर यदि दूसरी ओर से गलती हुई तो जवाब निर्णायक होगा। यह सब उस समय हुआ जब ट्रंप प्रशासन ने हाल के सप्ताहों में पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी और साधन बढ़ाये हैं, जिससे साफ है कि वार्ता की मेज के नीचे भी दबाव की राजनीति पूरी ताकत से चल रही है।

ईरान समुद्री मोर्चे पर सीधी बराबरी की जगह अपनी युद्ध नीति पर भरोसा करता है। उसका लक्ष्य है कि खाड़ी का जलक्षेत्र इतना जोखिम भरा बना दिया जाये कि किसी भी अमेरिकी विमान वाहक पोत के लिए वहां ठहरना महंगा सौदा लगे। ईरान जानता है कि जहाज दर जहाज मुकाबला उसके बस की बात नहीं, इसलिए वह सस्ते और असरदार हथियार, तेज नौकाएं, मानवरहित यान और तंग जलमार्ग का सहारा लेकर महंगे दुश्मन साधनों को निशाना बनाने की सोच रखता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे हिस्से में बहुत कम चौड़ा है, जहां बड़े पोतों की चाल सीमित हो जाती है और वे अनुमानित रास्तों पर चलने को मजबूर होते हैं। उत्तरी तट पर पकड़ रखने वाला ईरान जमीन से मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र और तटीय ठिकानों से ऐसे पोतों को आसानी से साध सकता है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के पास सैकड़ों छोटी और तेज आक्रमण नौकाएं हैं जिन पर मशीनगन, राकेट और टारपीडो लगे रहते हैं। ये नौकाएं झुंड की नीति अपनाती हैं, यानी एक ही बड़े पोत पर कई दिशाओं से एक साथ धावा। पारंपरिक रक्षा तंत्र दूर से आते प्रक्षेपास्त्र रोकने में सक्षम हो सकता है, पर एक साथ आती अनेक छोटी नौकाओं और मानवरहित यानों पर नजर रखना कठिन हो जाता है। ईरान ने समुद्र में चलते जहाजों को साधने वाले खास प्रक्षेपास्त्र भी विकसित किये हैं जिनकी मारक दूरी सैकड़ों किलोमीटर बतायी जाती है और जिनकी रफ्तार बहुत तेज कही जाती है। कम कीमत वाले शाहेद जैसे मानवरहित यान बड़ी संख्या में भेजे जाएं तो वे रक्षा कवच पर दबाव डालते हैं, और भले ही कई गिरा दिये जाएं, लागत का अंतर ईरान के पक्ष में रहता है।

इसके साथ ही गदीर श्रेणी की छोटी पनडुब्बियां उथले पानी के लिए ढाली गयी हैं। ये समुद्र तल के पास छिपकर घात लगा सकती हैं और भारी टारपीडो से बड़े युद्धपोत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। समुद्री बारूदी सुरंगें भी ईरान के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं; संकरे जलमार्ग में एक सुरंग भी बहुमूल्य पोत को लंबे समय के लिए निष्क्रिय कर सकती है। हाल में फत्ताह दो जैसे अति तीव्र गति वाले प्रक्षेपास्त्र के दावे भी किये गये, जिन्हें रोकना कठिन बताया जाता है। ईरान की सोच साफ हैः दुश्मन के एक महंगे पोत की कीमत में वह अनेक हमले कर सकता है। 2002 के एक अमेरिकी सैन्य अभ्यास में भी दिखा था कि झुंड नीति और अनोखे तरीके भारी तकनीक पर भारी पड़ सकते हैं। यही भरोसा तेहरान को टकराव की स्थिति में मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है।

दूसरी ओर ट्रंप का दावा है कि पिछले हमलों से ईरान के परमाणु ढांचे का पूर्ण विनाश हुआ और इसी से पश्चिम एशिया में शांति बनी रही। उनका कहना है कि यदि हमला न होता तो अरब देश कभी निश्चिंत नहीं होते। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान नये स्थलों पर कार्यक्रम फिर शुरू करने की सोच रहा था, जिसे अमेरिका ने पहले ही भांप लिया और सख्त चेतावनी दी। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पहले ही कह दिया था कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बैठक के लिए तैयार हैं और अमेरिका संवाद चाहता है, हालांकि समझौते को लेकर भरोसा पक्का नहीं है।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच तनाव केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। अरब सागर में एक अमेरिकी विमान वाहक पोत ने अपने पास आये एक ईरानी मानवरहित विमान को मार गिराया है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौकाओं ने अमेरिकी झंडा लगे तेल वाहक जहाज के पास जाकर उसे रोकने की धमकी दी थी। हम आपको बता दें कि यह वही समुद्री रास्ता है जहां से दुनिया के तेल का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसलिए यहां जरा-सी चिंगारी भी वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला सकती है।

इस बीच, अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान तुरंत छोड़ने की सलाह दी है। कहा गया है कि सरकारी मदद पर निर्भर न रहें, वैकल्पिक संपर्क साधन रखें, सड़कों पर प्रदर्शनों से दूर रहें और सुरक्षित स्थान पर खाद्य, जल और दवाओं का भंडार रखें। दोहरी नागरिकता वालों को ईरानी यात्रा दस्तावेज से निकलने की सलाह दी गयी है। देखा जाये तो क्षेत्रीय परिदृश्य बदल चुका है। गाजा संघर्ष के बाद और सीरिया में बशर अल असद के पतन से तेहरान के कई क्षेत्रीय साथी कमजोर पड़े हैं। इजराइली नेतृत्व ईरान की मिसाइल और परमाणु महत्वाकांक्षा को दोहरी बीमारी बताता रहा है। ऐसे में वार्ता केवल दो देशों की नहीं, पूरे क्षेत्र की दिशा तय कर सकती है।

अब सवाल है कि ईरान ओमान ही वार्ता के लिए क्यों चुना गया? दरअसल ओमान लंबे समय से दोनों पक्षों के बीच भरोसेमंद मध्यस्थ रहा है। उसने पहले भी गुप्त और खुली बातचीत के लिए शांत मंच दिया। वह खाड़ी का ऐसा देश है जो टकराव से दूरी रखता है, सब पक्षों से बात करता है और सुरक्षा के साथ गोपनीयता भी देता है। मस्कट भौगोलिक रूप से नजदीक है, समुद्री पहुंच सरल है और वहां बातचीत बिना शोर के हो सकती है। तेहरान को वहां सम्मानजनक माहौल मिलता है और वाशिंगटन को तटस्थ पुल। यही कारण है कि जब सीधे संवाद कठिन हो, तो रास्ता मस्कट से होकर जाता है।

### निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता एवं प्रगति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

# समयबद्ध एवं मानक के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश-जिलाधिकारी

**मंत्र भारत संवाददाता**

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सड़क निर्माण परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 108.97 किलोमीटर लंबाई की 52 सड़कों, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा 21 सड़क निर्माण कार्य, मंडी परिषद द्वारा 1.80 किलोमीटर लंबाई की 02 सड़कें, सिंचाई नहर प्रखण्ड द्वारा 7.45 किलोमीटर लंबाई की 05 सड़कें तथा जिला पंचायत द्वारा 17.948 किलोमीटर लंबाई की 42 सड़कों के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने उपर्युक्त पांचों विभागों द्वारा निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता एवं समय-सीमा के संदर्भ में संबंधित समस्त अधिशासी अभियंताओं को

सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में एवं मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं जैसे विद्युत पोल, पेड़ों अथवा अन्य अवरोधों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभागीय वनाधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय एवं सहयोग स्थापित करते हुए कार्य संपादित करने के निर्देश दिए, जिससे परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने संबंधित समस्त अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्यों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें, ताकि सभी परियोजनाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके और कार्य ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो सकें।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनसुविधा से जुड़ी इन परियोजनाओं का समय पर पूर्ण होना प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में संदीप सरोज अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रज्ञा परमिता अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, अनिल त्यागी अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत्त सहित सभी विभागों के सहायक अभियंता, अवर अभियंता आदि उपस्थित रहे।

# अकाउंट्स संवर्ग के रिक्त पदों पर रेलकर्मियों से मांगे आवेदन

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे समेत देश भर के विभिन्न जोनल रेलवे में कार्यरत रेल कर्मियों के लिए बड़ा अवसर है। रेलवे बोर्ड ने अकाउंट्स संवर्ग के रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी आदेश के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे सहित सभी जोनल रेलवे और प्रोडक्शन यूनिट्स में कार्यरत पात्र कर्मचारी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। चयन होने पर कर्मचारियों की तैनाती रेल भवन नई दिल्ली में की जाएगी। इस भर्ती के तहत सीनियर सेक्शन ऑफिसर के 12 पद और सीनियर अकाउंटेंट के 5 पद भरे जाने हैं।

चयनित कर्मचारियों को उनके मूल कैडर का वेतन ही दिया जाएगा और यह पोस्टिंग पांच वर्षों की अवधि के लिए होगी। रेलवे बोर्ड के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आवेदन करने वाले कर्मचारी को अकाउंट्स विभाग में कम से कम तीन वर्ष का नियमित अनुभव होना चाहिए। साथ ही कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान होना अनिवार्य रखा गया है।

ऑडिट में सुधार लाना है तो आधुनिक तकनीक का उपयोग करना होगा। इसके लिए एआई, एमएल व ओसीआर जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह विचार प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तर प्रदेश, प्रयागराज कार्यालय की ओर से डाटा ऑडिट पर लेखापरीक्षा विभागों के एक अखिल भारतीय कार्यशाला में कही गई। एजी ऑफिस में सोमवार से शुरू हुई पांच दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन डेटा संचालित दृष्टिकोणों के माध्यम से ऑडिट की गुणवत्ता को बढ़ाने पर विचार किया गया। पहले दिन एआई, एमएल ओसीआर समेत आधुनिक तकनीकों के सहयोग से लेनदेन, सामाजिक क्षेत्र कार्य व स्थापना ऑडिट् में रणनीतिक बदलाव करना व ऑडिट प्रथाओं में नवाचार और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की संस्कृति को बढ़ावा देना रहा।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रमुख ऑडिट फोकस क्षेत्रों और अनुपालन ऑडिटिंग में रणनीतिक बदलावों को समझना, रिमोट-हाइब्रिड कार्यों का ऑडिट, ऑडिट उपयोग के लिए असंरचित दस्तावेजों को संरचित डेटा में बदलने की तकनीकें, डेटा-आधारित स्थापना ऑडिट करना है।

## नैनी जंक्शन से चार शातिर चोर गिरफ्तार

प्रयागराज। जीआरपी ने सोमवार को नैनी जंक्शन से चार शातिर मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई नैनी जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर चार पर की गई। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चार चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 65 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी हरियाणा व दिल्ली के निवासी बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया गया कि यह ट्रेनों में यात्रियों के सामान चुराया करते थे। सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया है।

## सपा जिला इकाई की मासिक बैठक में पीडीए की मजबूती और फार्म-7 पर हुई अहम चर्चा

**मंत्र भारत संवाददाता**

भदोही। समाजवादी पार्टी जिला इकाई की मासिक बैठक में पीडीए की बढ़ती सहजता और राष्ट्रीय अध्यक्ष के संघर्षों के परिणामस्वरूप चुनाव आयोग द्वारा फार्म-7 को लेकर किए गए नए प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि अब फार्म-7 की प्रक्रिया मजिस्ट्रेट स्तर से की जाएगी और थोक में फार्म-7 स्वीकार नहीं किए जाएंगे, जो लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि यह बदलाव राष्ट्रीय अध्यक्ष के निरंतर संघर्ष और जनहित की राजनीति की ताकत का परिणाम है। आज एकजुट और जागरूक पीडीए समाज का हर व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख रहा है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण पीडीए समाज इस बात को लेकर उत्साहित और आश्वस्त है कि आने वाले समय में पूरे देश में पीडीए का परचम लहराया जाएगा और पीडीए सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि पीडीए केवल एक शब्द नहीं, बल्कि पीड़ा से जुड़ी एक साझा भावना है, जो सामाजिक न्याय, समान सम्मान, समान अवसर और समृद्धि का रास्ता दिखाती है। वर्तमान हालात में भ्रष्टाचार और अत्याचार से त्रस्त समाज का हर वर्ग सकारात्मक, प्रगतिशील और सौहार्दपूर्ण पीडीए विचारधारा से जुड़ता जा रहा है।

बैठक में जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति, पूर्व मंत्री रामकिशोर बिंद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को मजबूत करने और पीडीए विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

## बाल कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पी.सी. उपाध्याय सम्मानित

**मंत्र भारत संवाददाता**

भदोही। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक द्वारा सोमवार को बाल कल्याण समिति, जनपद भदोही के सम्मानित अध्यक्ष पी. सी. उपाध्याय को किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत बच्चों की देखभाल, संरक्षण एवं पुनर्वास के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों तथा पुलिस के साथ बेहतर समन्वय के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा गया कि बाल अधिकारों की रक्षा और पुनर्वास की दिशा में बाल कल्याण समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पी. सी. उपाध्याय को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की शुभकामनाएं भी दीं।

# गोपीगंज-ज्ञानपुर मार्ग पर यातायात सुधार की उठी मांग

**मंत्र भारत संवाददाता**

गोपीगंज। ज्ञानपुर रोड स्थित संस्कृत पाठशाला के बगल में हाल ही में खुले मॉल के कारण उत्पन्न हो रही यातायात समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। मॉल में आने वाले ग्राहकों द्वारा सड़क के दोनों पटरियों पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग से गोपीगंज से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह और शाम के समय जाम की स्थिति गंभीर हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, कार्यालय कर्मियों, एंबुलेंस एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को आवागमन में कठिनाई होती है। नागरिकों ने बताया कि संकरी सड़क पर दोनों ओर वाहन खड़े होने से आमने-सामने से आने वाले वाहनों को निकलने में दिक्कत होती है, जिससे सुरक्षा संबंधी जोखिम भी बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से सकारात्मक पहल की अपेक्षा करते हुए मांग की है कि मॉल के सामने अवैध पार्किंग पर रोक लगाई जाए, यातायात पुलिस की नियमित तैनाती की जाए तथा वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक हस्तक्षेप से न केवल यातायात व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि छात्रों और आम नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

## महिला थाना की पहल से टूटते रिश्तों को मिला नया जीवन

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में भदोही पुलिस द्वारा लगातार बिछड़े दम्पतियों के बीच सुलह कराकर परिवारों को फिर से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला थाना/परिवार परामर्श केन्द्र के अथक प्रयास से घरेलू विवाद के चलते अलग हुए तीन दम्पत्ति पुनः साथ रहने को राजी हुए। परिवार परामर्श केन्द्र ज्ञानपुर पर दोनों पक्षों को नोटिस/मोबाइल के माध्यम से बुलाकर शांतिपूर्ण काउंसलिंग की गई। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से बीती बातों को भुलाकर नई शुरुआत करने का निर्णय लिया। महिला थाना/परिवार परामर्श केन्द्र की इस मानवीय पहल से न केवल पारिवारिक विवाद समाप्त हुआ, बल्कि मासूम बच्चों के जीवन में भी खुशियों से भरा नया सवेरा आया। सफल सुलह के बाद दम्पतियों की विदाई कराई गई।

# नगर पंचायत बढ़नी के आबादी की जमीन पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर बेचने की फिराक में कथित भू माफिया

**मंत्र भारत संवाददाता**

सिद्धार्थनगर। जिले के भारत नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है, इंडो नेपाल बॉर्डर क्षेत्र के बढ़नी कस्बे में वेशकीमती जमीनों पर कथित भू-माफियाओं की नजर बनी हुई है ।और उस भूमि को मानक के विपरीत टुकड़ो में प्लाटिंग कर उसे बेंचकर मोटी कमाई कर मालामाल होने की जुगत में लगे हुए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गत वर्ष जून माह में नगर पंचायत बढ़नी चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले से अवगत कराते हुए बताया था कि नगर पंचायत बढ़नी बाजार अन्तर्गत ग्राम - मुड़िला शहरी के गाटा सं0-3 आबादी श्रेणी-6 (2) रकबा 1.126 हेक्टेयर रूप में अंकित है। नगर पंचायत की उक्त आबादी की 9 बीघा भूमि जो नो-मैन्स लैण्ड से सटी भूमि है, को कुछ कथित भूमाफियों द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग आदि कार्य किया जा रहा है। उक्त शिकायत को संज्ञान में लेते हुए तहसील प्रशासन द्वारा सीमा पर हो रहे अवैध प्लाटिंग का कार्य रूकवा दिया गया था तब से मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। रविवार को नगर पंचायत बढ़नी के उक्त गाटा पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से बिना किसी के जानकारी के गुपचुप तरीके से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था मामले की जानकारी अधिशासी अधिकारी बढ़नी अजय कुमार को होने पर उन्होंने नगर पंचायत कर्मी को भेजकर नगर पंचायत की आबादी की जमीनों पर अवैध रूप से हो रहे प्लाटिंग के कार्य व निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया था। फिर भी

कथित भू माफिया उक्त जगह पर अवैध अतिक्रमण करना जारी रखें हुए हैं। सोमवार को भी बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य चल रहा था। जिससे प्रशासनिक लापरवाही और सुस्त रवैए पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उक्त संबंध में मीडिया से वार्ता के दौरान उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्र ने कहा मामला संज्ञान में आया है । लेखपाल व कानूनगो को जांचकर उचित कार्रवाई करने का दिशा-निर्देश जारी किया गया है। जल्द ही अवैध रूप से हुए अतिक्रमण को हटाने का कार्य किया जायेगा।

## अनियंत्रित कार की चपेट में आने से पैदल किशोर की हुई मौत, परिवार में मौसम का माहौल

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवनगर डिंडई थाना क्षेत्र के ग्राम डड़वा कोदईजोत स्थित स्वाद ढाबा के पास सड़क हादसे में 14 वर्षीय किशोर रामसागर की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सोनौरा निवासी रामसागर पुत्र रामशंकर प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी डिंडई चौराहे पर स्थित पप्पू मोटर साइकिल मिस्त्री की दुकान पर काम सीखने के लिए पैदल जा रहा था। इसी दौरान डिंडई चौराहे से बांसी की ओर तेज रफ्तार जा रही कार संख्या ळइ32इए 2819 ने अनियंत्रित होकर उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सड़क के दाहिने तरफ खाई में जा गिरी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से गंभीर रूप से घायल किशोर को इलाज के लिए बस्ती भेजवाया और खाई में गिरी कार को बाहर निकलवा कर थाने ले गए। बाद में सूचना मिली कि बस्ती के जिला अस्पताल में उपचार के दौरान किशोर की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि रामसागर मेहनती और मिलनसार स्वभाव का था तथा परिवार की मदद के लिए कम उम्र में ही काम सीखने जाता था। प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया गया है। आंशिक रुप से घायल चालक अपना इलाज कराने गया है। तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी। मृतक पांच भाइयों में चौथे नंबर का था, सबसे छोटी एक बहन भी है।

## पुलिस द्वारा अपहरण के आरोपी को किया गिरफ्तार

**मंत्र भारत संवाददाता**

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्वेक्षण में एवं नरायन लाल श्रीवास्तव थानाध्यक्ष थाना ढेबरुआ के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना ढेबरुआ पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 11/2026 धारा 87 बीएनएस से सम्बंधित अभियुक्त को जुनैद खान पुत्र स्व0 मोहम्मद सलीम खान निवासी ग्राम खैरी शीतल प्रसाद को तुलसियापुर से हेड कांस्टेबल हिमांशु सिंह, कांस्टेबल बृजेश गौतम गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

# मतदाता सूची में पात्र युवाओं व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

## युवाओं एवं महिलाओं को मतदान के अधिकार के प्रति किया जाए जागरूक

**मंत्र भारत संवाददाता**

भदोही। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत पात्र मतदाताओं में 18 से 20 आयु वर्ग के युवा तथा महिलाओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किए जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित जनपद के सभी उप जिला अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों जैसे विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला कल्याण, माध्यमिक व उच्चशिक्षा विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और नगर विकास विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक की गई। सम्बन्धित अधिकारियों को पात्र युवा, किशोरियों व नवविवाहिता महिला मतदाताओं के नाम सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गए।

बड़ी संख्या में 18 से 20 वर्ष की आयु वर्ग के युवा मतदाता अभी भी मतदाता सूची में शामिल नहीं है। ऐसे सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराए जाने हेतु अभियान के तौर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपदों में समस्त शैक्षणिक संस्थानों यथा काशी नरेश विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा अन्य समस्त शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मतदाता साक्षरता क्लब के माध्यम से मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया जाये। उन्हें अपने मतदान के अधिकारों से अवगत कराया जाय जिससे की सभी युवा अपनी मनपसंद की सरकार चुनने के लिए और लोकतंत्र में हिस्सेदार बनने के लिए मतदाता सूची में बढ़-चढ़कर अपना नाम सम्मिलित कर सकें। साथ ही सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष अभियान चलाकर पात्र छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन पोर्टल voters.eci.gov.in तथा ECINET मोबाइल ऐप अथवा बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से ऑफलाइन घोषणा पत्र सहित फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में शामिल कराये जाने के निर्देश दिये गए।

जिन छात्र-छात्राओं की आयु दिनांक 01.01.2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है उनका शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाय। जिन छात्र-छात्राओं की आयु दिनांक 01.10.2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो उनका भी फार्म-6 एडवांस फार्म के रूप में भरवाया जा सकता है। फार्म 6 के साथ घोषणा पत्र भरने हेतु वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश की वेबसाईटों पर उपलब्ध है जहाँ से उसे आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इस मतदाता सूची की प्रतिलिपि सभी बूथ लेविल अधिकारियों के पास भी उपलब्ध है। अधिकारियों को इन तथ्यों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराए जाने के निर्देश दिये।

27 अक्टूबर 2025 तक की मतदाता सूची में प्रदेश स्तर पर महिलाओं का अनुपात प्रति हज़ार पुरूषों की तुलना में 877 था जो कि 6 जनवरी 2026 को जारी आलेख्य मतदाता सूची में घटकर 824 रह गया है। इससे स्पष्ट होता है की बड़ी संख्या में महिला मतदाताओं के नाम गणना प्रपत्र ना भरे जाने के कारण छूट गए हैं। कई महिलाएं विवाह के पश्चात अपने मायके के स्थान पर पंजीकृत होने के कारण ससुराल में गणना प्रपत्र नहीं भर सकी। इनको लक्षित करते हुए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों यथा राष्ट्रीय आजीविका मिशन ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कार्यरत महिला समूह की दीदी, चिकित्सा विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही आशा तथा एएनएम बहनें, बाल विकास पुष्टाहार विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा सुपरवाइजर, के सहयोग से नव विवाहित महिलाओं और किशोरियों के नाम आलेख्य मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है उन सभी पात्र महिलाओं का नाम घोषणा पत्र सहित फॉर्म 6 भरवा कर मतदाता सूची में शामिल करने का प्रयास करें। जन प्रतिनिधियों को चुनने में महिलाओं की भूमिका एवं सहभागिता बढ़ाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

सभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि अगले 15 दिनों तक मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं का नाम दर्ज कराने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए, जिसका प्रचार-प्रसार प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में किया जाये फार्म-6 भरवाने हेतु संबंधित कार्मिकों को समुचित प्रशिक्षण भी दिया जाना सुनिश्चित किया जाय जिससे मतदाता सूची में समस्त पात्र नागरिकों का नाम शामिल हो सके।

### दरोगा अजय गौड़ की मौत पर गरमाई सियासत

# कांग्रेस बोलीं- भाई खुद एडीएम हो, न्याय के लिए धरने पर बैठे तो आम जनता किसके भरोसे है?

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बस्ती जिले में तैनात दरोगा अजय गौड़ का शव सरयू नदी में मिलने से प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि जब एक दरोगा का भाई खुद एडीएम होकर अपनी पत्नी के साथ न्याय के लिए धरने पर बैठने को मजबूर है। उत्तर प्रदेश में जंगलराज किस कदर हावी है। ये सब के सामने है। कांग्रेस ने कहा कि सवाल ये है कि जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं, तो आम जनता किसके भरोसे है? उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अब अपराधी बेखौफ हैं और रक्षक बेबस।

आप को बता दें कि चार दिनों से लापता चल रहे दरोगा का शव सरयू नदी से बरामद हुआ। उसके बाद से कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मृतक के भाई ने कहा कि शव बरामद होना न सिर्फ दर्दनाक है, बल्कि पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लगाता है। मृतक के भाई, जो वर्तमान में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) के पद पर तैनात हैं, ने इस घटना को 'पूर्व नियोजित हत्या' करार दिया है।

एडीएम अजय गौड़ के अनुसार, उनके भाई की गुमशुदगी के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और प्रारंभिक स्तर पर लापरवाही बरती गई। उनका कहना है कि यदि समय रहते ठोस कार्रवाई की जाती, तो शायद सच्चाई पहले सामने आ सकती थी। न्याय की मांग को लेकर एडीएम भाई अपनी पत्नी, जो पीसीएस अधिकारी हैं, के साथ धरने पर बैठने को मजबूर हुए, जो व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।

इस घटना ने पुलिस महकमे में भी हड़कंप मचा दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि जब एक वर्दीधारी पुलिस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा की क्या गारंटी है। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए उत्तर प्रदेश में 'जंगलराज' जैसे हालात होने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और कानून के रक्षक खुद असहाय नजर आ रहे हैं। यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करती है। परिजनों और समर्थकों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि दोषियों को ऐसी सख्त सजा दी जाए, जो भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए नजीर बने। फिलहाल पुलिस ने जांच तेज करने और सभी पहलुओं पर पड़ताल का आश्वासन दिया है, लेकिन लोगों की नजरें अब सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

# गैंगस्टर रवि काना मामले में जेल अधीक्षक समेत तीन अफसर जांच में दोषी, एसआईटी भी कसेगी शिकंजा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की बांदा जिला जेल से कुख्यात स्क्रैप माफिया व गैंगस्टर रविन्द्र सिंह (रवि काना) की संदिग्ध रिहाई मामले में जेल अधीक्षक समेत तीन अफसर दोषी पाए गए हैं। विभागीय जांच में जेल अधीक्षक समेत तीन अधिकारियों की मिली भगत विभाग पाई गई है।

दरअसल, बांदा जिला जेल में बंद कुख्यात स्क्रैप माफिया व गैंगस्टर रविन्द्र सिंह (रवि काना) की रिहाई पर सवाल उठ रहे थे। इसके बाद जब मामले ने तूल पकड़ा तो जेल चौकी प्रभारी की शिकायत पर कोतवाली नगर थाने में जेल अधीक्षक, जेलर और अन्य अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 260 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह धारा आरोपी की हिरासत में जानबूझकर की गई लापरवाही से संबंधित है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। विभागीय जांच का जिम्मा प्रयागराज रेंज के डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव को सौंपी गई थी। जांच रिपोर्ट में जेल अधीक्षक समेत तीन अफसर दोषी पाए गए हैं।

आप को बता दें कि जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम, जेलर विक्रम सिंह और डिप्टी जेलर निर्भय सिंह पहले ही सस्पेंड कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि रवि काना कई गंभीर मामलों में वांछित है, जिनमें नोएडा के सेक्टर-63 थाने में दर्ज उगाही का केस भी शामिल है। वह वर्ष 2024 से अन्य मामलों में बांदा मंडल जेल में बंद था। उगाही प्रकरण में बी-वारंट के जरिए उसे कोर्ट में तलब किया गया था। जांच अधिकारी की रिमांड अर्जी पर 29 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई, लेकिन उसी शाम उसकी रिहाई कर दी गई थी।

घटना के बाद गौतम बुद्ध नगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने महानिदेशक कारागार और जेल अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद डीजी (कारागार) पीसी मीणा ने जांच प्रयागराज रेंज के डीआईजी राजेश श्रीवास्तव को सौंपी है। इसी क्रम में बांदा जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव को निलंबित कर दिया गया। जबकि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जेल चौकी प्रभारी अनुराग पांडेय ने लिखित तहरीर दी, जिसके आधार पर जेल अधीक्षक अनिल गौतम, निलंबित जेलर विक्रम सिंह यादव और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने के आदेश दिए थे। फिलहाल विभागीय जांच अब सामने आ गई है जिसमें तीन अधिकारी दोषी पाए गए हैं। अब उनके खिलाफ विधि कार्रवाई की जाएगी।

### कानपुर में तंबाकू कारोबारी के बेटे का खूनी तांडव

# लेम्बोर्गिनी से 6 को रौंदा, 10 फीट हवा में उछली बाइक; फिर बाउंसरों ने सड़क पर मचाया गदर!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कानपुर जिले में रविवार दोपहर एक हाई-प्रोफाइल रईजादे की सनक ने सड़क पर कोहराम मचा दिया। शहर के मशहूर तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा ने अपनी तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार से 6 से ज्यादा लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि एक बाइक सवार टक्कर लगने के बाद करीब 10 फीट हवा में उछलकर दूर जा गिरा। घटना ग्वालटोली थाना क्षेत्र के रेव-3 के पास वीआईपी रोड की है। दोपहर करीब 3:15 बजे शिवम मिश्रा अपनी लग्जरी कार से हवा से बातें कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शिवम नशे में धुत था। उसने पहले सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मारी और फिर एक बुलेट सवार को अपनी कार के नीचे दबा लिया। भागने की कोशिश में कार डिवाइडर से जा टकराई।

हादसे के बाद जब भीड़ ने कार को घेर लिया और शिवम को बाहर निकालने की कोशिश की, तो पीछे दूसरी कार में चल रहे उसके बाउंसरों ने लोगों के साथ हाथापाई शुरू कर दी। लोगों को धक्का देकर भगाया गया और उनके साथ अभद्रता की गई। इससे गुस्साए लोगों ने थाने के बाहर जमकर हंगामा किया और पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।

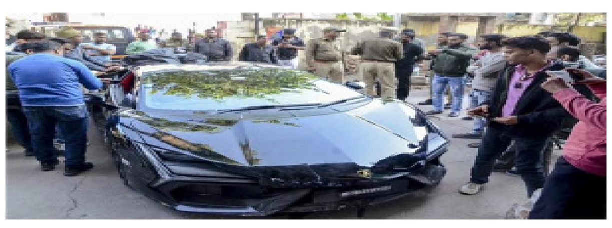

बता दें कि शिवम के पिता केके मिश्रा 'बंशीधर एक्सपोर्ट्स' के मालिक हैं। यह वही परिवार है जिसके दिल्ली स्थित ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा था और 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की लग्जरी कारें (रोल्स रॉयस, फरारी, मैकलारेन) मिली थीं। शिवम खुद भी महंगी कारों का शौकीन है और अक्सर दिल्ली नंबर की लग्जरी गाड़ियों में कानपुर की सड़कों पर देखा जाता है।

मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस फिलहाल कुछ भी खुलकर बोलने से बच रही है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

## यूपी बजट सत्र : सपा सदस्यों ने यूपी विधानसभा परिसर में किया विरोध प्रदर्शन, जमकर की नारेबाजी

लखनऊ **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों ने राज्य सरकार की कथित जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ सोमवार को विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। सपा विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के अधिकारों से खिलवाड़ कर रही है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर का पोस्टर थामे पार्टी विधायक सचिन यादव ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर ध्वस्तीकरण का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि सरकार ने होल्कर का अपमान किया, जिन्होंने करीब 300 साल पहले घाटों का विकास कराया था।

यूपी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सोमवार को सुबह 11 बजे विधानसभा पहुंचीं। विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद सदन में उन्हें गाडर् ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संयुक्त सदन को संबोधित करते हुए अपना अभिभाषण शुरू कर दिया है।

हालांकि अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों ने लगातार हंगामा किया। शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच भी राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पढ़ना जारी रखा। सदन में 'राज्यपाल गो बैक' के नारे लगाए गए। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के सदस्यों ने एकजुट होकर नारेबाजी की और सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। पक्ष के हंगामे के चलते सदन का माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण बना रहा, लेकिन कार्यवाही नियमानुसार आगे बढ़ती रही।

# मुरादाबाद में जेल ब्रेक : आधी रात 3 बजे ताला तोड़ छत से कूदे 5 बंदी

### सिपाही और होमगार्ड समेत 11 पर एफआईआर, मचा हड़कंप!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुरादाबाद जिले में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए राजकीय किशोर संप्रेक्षण गृह (बाल सुधार गृह) से पांच किशोर बंदी फिल्मी अंदाज में फरार हो गए। रविवार की देर रात करीब 2:55 बजे हुई इस घटना ने पुलिस प्रशासन और समाज कल्याण विभाग की सतर्कता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के फकीरपुरा स्थित इस सुधार गृह में रविवार रात सब कुछ शांत था, तभी अचानक पांच किशोरों ने अपने कमरे का ताला तोड़ दिया। ताला तोड़ने के बाद वे चुपके से छत पर चढ़े और वहां से ऊंची दीवार फांदकर बाहर कूद गए। जब तक सुरक्षाकर्मियों को भनक लगती, किशोर अंधेरे का फायदा उठाकर आंखों से ओझल हो चुके थे।

पुलिस के मुताबिक, फरार होने वाले पांचों किशोर अलग-अलग इलाकों के हैं। इनमें अमरोहा (धनौरा) के दो, मुरादाबाद (ठाकुरद्वारा) का एक और उत्तराखंड के उधम सिंह नगर के दो किशोर शामिल हैं। इन सभी की तलाश के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं। इस बड़ी लापरवाही को देखते हुए प्रभारी अधीक्षक मुकेश कुमार चौधरी ने सख्त रुख अपनाया है। सिविल लाइंस थाने में 5 फरार किशोरों के अलावा ड्यूटी पर तैनात 1 सिपाही, 3 होमगार्ड और 2 चतु थ श्रेणी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कुल 11 लोगों को इस मामले में नामजद किया गया है।

पुलिस अब आसपास के इलाकों और सुधार गृह के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। यह भी जांच की जा रही है कि क्या किशोरों को बाहर से किसी ने मदद पहुंचाई थी। मुरादाबाद के साथ-साथ पड़ोसी जिलों की पुलिस को भी अलर्ट पर रखा गया है।

# मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की आग! उखरुल में उग्रवादियों ने फूँके दर्जनों घर, कर्फ्यू लागू

इम्फाल **(एजेंसी)**। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर सांप्रदायिक तनाव और हिंसा का तांडव देखने को मिला है। रविवार रात सशस्त्र उग्रवादियों ने लिटान सारेइखोंग क्षेत्र में कई मकानों को आग के हवाले कर दिया। यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हुए कथित हमले के बाद उपजे तनाव का परिणाम बताई जा रही है। प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा (कर्फ्यू) लागू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी।

उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों द्वारा आग लगा दी गई। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लितान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है। जिले के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।'' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में हथियारबंद लोग गांव में मकानों और वाहनों को आग लगाते हुए और उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों से हवा में गोली चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। 'पीटीआई-भाषा' वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका। अधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही को रोकने के लिए महादेव, लंबुई और शांगकाई तथा लिटान की ओर जाने वाले अन्य क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

उन्होंने बताया कि रविवार शाम को सुरक्षा बलों ने लिटान सारेइखोंग गांव में आपस में भिड़े दो आदिवासी समूहों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। उखरुल जिले के मजिस्ट्रेट द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के सदस्यों के बीच तनाव के कारण गांव में शांति और व्यवस्था भंग होने की आशंका है। जिला मजिस्ट्रेट आशीष दास ने अधिसूचना में कहा कि रविवार शाम सात बजे से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश सरकारी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों पर लागू नहीं होगा।

शनिवार रात लिटान गांव में सात से आठ लोगों द्वारा तंगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद इलाके में हिंसा भड़क गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित पक्ष और लिटान सारेइखोंग के मुखिया के बीच मामला सुलझ गया था और दोनों पक्ष आपसी सहमति से पारंपरिक तरीकों से समस्या का समाधान करने पर सहमत हुए थे। रविवार को एक बैठक निर्धारित की गई थी लेकिन बैठक नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इसके बजाय पास के सिकिबुंग गांव के ग्रामीणों के एक समूह ने लिटान सारेइखोंग के मुखिया के आवास पर कथित तौर पर हमला किया। ऐसी जानकारी है कि ग्रामीणों ने लिटान पुलिस थाने के आसपास से गुजरते समय सात गोलियां भी चलाईं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्थिति वर्तमान में तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। संदिग्धों की आवाजाही रोकने के लिए लिटान की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर दी गई है। तंगखुल (मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति) और कुकी समुदाय के बीच इस झड़प ने राज्य में पहले से ही नाजुक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# वी.डी. सावरकर को 'भारत रत्न' की मांग पर भड़के ओवैसी, कहा- तो फिर गोडसे की बारी है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को भाजपा-आरएसएस पर संघ प्रमुख की उस मांग को लेकर तीखा हमला बोला, जिसमें उन्होंने वी.डी. सावरकर को भारत रत्न देने की बात कही थी। 1857 के विद्रोह में अपने योगदान के लिए जाने जाने वाले मौलवी अलाउद्दीन का जिक्र करते हुए ओवैसी ने सावरकर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने के विचार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हैदराबाद की मक्का मस्जिद के तत्कालीन इमाम मौलवी अलाउद्दीन ने अंग्रेजों के खिलाफ तब आवाज उठाई जब कुछ स्वतंत्रता सेनानी औरंगाबाद में कैद हो गए थे।

ओवैसी ने कहा कि अंग्रेजों द्वारा संरक्षित निजाम हैदराबाद पर शासन कर रहे थे। उन पर हमला हुआ, लेकिन वे बच निकले। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे 'काला पानी' (अंडमान सेलुलर जेल) के पहले कैदी थे। मौलाना अलाउद्दीन का वहीं (जेल में) निधन हो गया। एआईएमआईएम नेता ने आगे कहा कि आज आरएसएस उस व्यक्ति को भारत रत्न देने की मांग कर रहा है जिसने अंग्रेजों को छह दया याचिकाएं लिखी थीं। एक दिन ऐसा भी आएगा जब भाजपा नाथूराम गोडसे को भारत रत्न से सम्मानित करेगी।

यह घटना मोहन भगवत के दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला 'संघ की सौवीं यात्रा - नए क्षितिज' में दिए गए भाषण के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर सावरकर को भारत रत्न दिया जाता है, तो इस सम्मान की प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। भगवत ने कहा कि वे निर्णय लेने वाली समिति में नहीं हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे इस मुद्दे को जरूर उठाएंगे। भगवत ने कहा कि मैं उस समिति में नहीं हूं, लेकिन अगर मेरी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होती है जो उस समिति में है, तो मैं उनसे यह बात जरूर पूछूंगा। अगर स्वतंत्र वीर सावरकर को भारत रत्न से सम्मानित किया जाता है, तो इस पुरस्कार की प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। प्रतिष्ठा के बिना भी, वे लाखों दिलों के बादशाह बन चुके हैं।

इससे पहले आज ही कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने मोहन भगवत की इस मांग का विरोध करते हुए कहा कि यह भारत रत्न पुरस्कार और देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान होगा। टैगोर ने एएनआई को बताया कि अपमान होगा।

### पिता बनने की अफवाहों पर भड़के तेज प्रताप यादव

# बोले- अनुष्का से मेरा कोई संबंध नहीं पहली बार गिनाए 5 जयचंदों के नाम

पटना **(एजेंसी)**। जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अपनी पूर्व प्रेमिका अनुष्का यादव के साथ अपने नाम को जोड़े जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को बेबुनियाद और भ्रामक बताया। यादव ने अपने बच्चे होने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि यह चर्चा उनकी छवि खराब करने के लिए गढ़ी गई है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है। कुछ 'जयचंद' लगातार मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महुआ से आरजेडी के पूर्व विधायक मुकेश रोशन उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं। यादव ने संजय यादव, शक्ति सिंह और सुनील सिंह का भी नाम लेते हुए उन पर आरोप लगाया कि वे उनकी बढ़ती लोकप्रियता का फायदा उठाकर उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि उनका उस महिला से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने झूठी रिपोर्टिंग के लिए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने आगे कहा कि मेरे बारे में फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ मैं अदालत का रुख करूंगा।

यादव ने आगे कहा कि उन्होंने बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी से सुरक्षा मांगी है और जरूरत पड़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी करेंगे। उन्होंने दावा किया कि लगातार मानहानि और दबाव के जरिए उन्हें अवसाद में धकेलने की कोशिश की जा रही है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने पिछले साल फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अनुष्का के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते का ऐलान किया था। बाद में उन्होंने दावा किया कि उनका अकाउंट हैक कर लिया गया था और उनकी और उनके परिवार की छवि खराब करने के लिए तस्वीरों को एडिट किया गया था।

# फिर हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा की कार्यवाही, राज्यसभा में बजट पर चर्चा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की इस मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ था कि केंद्रीय बजट पर चर्चा शुरू होने से पहले उन्हें बोलने की अनुमति दी जाए। इस बीच, राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा शुरू हो चुकी है। पिछले सप्ताह, लोकसभा ने प्रधानमंत्री के पारंपरिक उत्तर के बिना, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के साथ-साथ सदन द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपना भाषण देने की अनुमति न दिए जाने के विरोध में विपक्ष के मुखर विरोध के बीच, ध्वनि मत से धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। वहीं, संसद के दोनों सदनों में पिछले सप्ताह शुक्रवार को अंडर-19 क्रिकेट विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम को सोमवार को बधाई दी गई।

लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें बजट पर चर्चा शुरू करने से पहले अपनी बात रखने की अनुमति देने का वादा किया है, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेता की बात शत-प्रतिशत सही नहीं है और अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता से कहा था कि पहले वह विषय बताएं जो वह सदन में उठाना चाहते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाक़ात की और उन्हें उन मुद्दों से अवगत कराया जिन्हें वे सदन में उठाना चाहते हैं। यह बैठक कुछ ही मिनट चली। यह उस समय हुई जब लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

कांग्रेस ने विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की तैयारी संबंधी खबरों को लेकर सोमवार को कहा कि 'कार्रवाई का इंतजार कीजिए।' पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह भी आरोप लगाया कि अब सदन में विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं रह गई है।

राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने घटते पूंजीगत व्यय पर चिंता जताते हुए कहा कि आम बजट 2026-27 में इसे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया गया है तथा यह एक ऐसा बजट है जिसे भुला दिया जाना चाहिए। उच्च सदन में चिदंबरम ने बजट 2026-27 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय में कटौती है। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बजट में आवंटित धन पर सवाल उठाते हुए रक्षा, विज्ञान, सामाजिक कल्याण और शहरी विकास में कटौती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कई योजनाओं की घोषणा की गई, लेकिन उनका आवंटन कम था या घोषित ही नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह बजट सतर्क, कंजूस और बीते साल की अनदेखी करने वाला है, और यह जल्द ही गायब हो जाएगा।

राज्यसभा में सोमवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति न मिलने के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। उच्च सदन में जब शून्यकाल समाप्त हुआ और प्रश्नकाल शुरू हुआ तब कांग्रेस सदस्य खरगे ने अपनी बात रखनी चाही। आसन से स्वीकृति मिलने पर खरगे ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा, इन दोनों सदनों को मिला कर संसद बनती है और संविधान का पालन सबको करना होता है।

# वेलोसिटी का एआई शिपिंग पर बड़ा दांव, 100 करोड़ के निवेश से ई-कॉमर्स में लाएगी क्रांति

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ई-कॉमर्स मंच वेलोसिटी की योजना अगले दो वर्ष में अपने लॉजिस्टिक्स कारोबार 'वेलोसिटी शिपिंग' के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की है। यह निवेश पूरी तरह कंपनी के आंतरिक नकद भंडार और उसके मुख्य कारोबार से होने वाली आय से किया जाएगा।

कंपनी बयान के अनुसार, 2025 में शुरुआत के बाद से वेलोसिटी शिपिंग (पुराना नाम शिपफास्ट) ने 900 से अधिक ब्रांड जोड़े हैं। मंच पर ऑर्डर की मात्रा में फिलहाल मासिक आधार पर 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है और अब वेलोसिटी की कुल आय में इसका करीब 40 प्रतिशत का योगदान है। इसमें कहा गया कि 100 करोड़ रुपये का यह निवेश रणनीतिक नियुक्तियों, उत्पाद विकास और लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित नवाचार पर केंद्रित होगा।

कंपनी ने कहा कि वह अपनी 'शिपिंग' दल को दोगुना करने की योजना बना रही है और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए वरिष्ठ स्तर पर नियुक्तियां भी कर चुकी है। वेलोसिटी शिपिंग डेल्हीवरी, एकार्ट, अमेजन, ब्लू डार्ट, ब्लिट्ज, पिकंडेल और एक्सप्रेसबीज सहित कई तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स भागीदारों के साथ काम करती है।

देशभर में 19, 000 से अधिक 'पिनकोड' में सेवाएं देती है। वेलोसिटी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिरूप मेढेकर (सीईओ) ने कहा, '' हमने वेलोसिटी की शुरुआत डिजिटल-प्रथम ब्रांड की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक, 'पूंजी तक पहुंच' को हल करने के उद्देश्य से की थी। हजारों संस्थापकों के साथ काम करते हुए यह स्पष्ट हुआ कि लॉजिस्टिक्स और पूर्ति भी विकास के लिए उतनी ही अहम बाधाएं हैं, लेकिन मौजूदा समाधानों को डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के बेहतर समर्थन के लिए विकसित करने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा, '' 100 करोड़ रुपये की यह प्रतिबद्धता भारत के ई-कॉमर्स परिवेश के लिए श्रेणी-निर्धारक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करते हुए शिपिंग पर दोगुना जोर देने के हमारे दीर्घकालिक विश्वास को दर्शाती है।'' वर्ष 2020 में स्थापित वेलोसिटी...पूंजी, लॉजिस्टिक्स, इनसाइट्स और एआई-आधारित समाधानों से जुड़ी सेवाएं प्रदान करती है।

# एशियाई चैंपियनशिप : रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक से चूकी मनु भाकर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं जिससे अंतर कम हो गया।

आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रेंग दो की निशाने लगा पाईं जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा इससे पहले ईशा ने 'प्रिसिन' और 'ड्यूलिंग' चरण के क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद मनु (584) रहीं। रिदम ने भी फाइनल में जगह बनाई जिससे आठ में से तीन निशानेबाज भारतीय थे।

ईशा, मनु और रिदम की तिकड़ी ने कुल 1, 751 अंक के साथ टीम स्वर्ण जीता। चीनी ताइपे को 1, 735 अंक के साथ रजत जबकि वियतनाम को 1, 729 अंक के साथ कांस्य पदक मिला। जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में नाम्या कपूर ने रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी ने इंडोनेशिया की रिहादतुल अस्यिफा को पछाड़ा। अंजलि भागवत ने कांस्य पदक जीता। जूनियर भारतीय टीम ने इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण भी जीता।

# भारतीय महिला क्रिकेट टीम मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची

सिडनी **(एजेंसी)**। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है जो 15 फरवरी से शुरू होगी। भारत के इस दौरे में तीन टी20 मैच, तीन वनडे इंटरनेशनल और एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच शामिल होगा। हरमनप्रीत कौर सभी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी करेंगी जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान बनी रहेंगी। सोमवार को बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में भारतीय क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए काफी उत्साहित दिख रही थीं। टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज स्मृति ने आरसीबी का दूसरा डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने के बाद हुए जश्न और नेशनल ड्यूटी पर वापस आने के बारे में बात की।

बीसीसीआई द्वारा एक्स पर जारी एक वीडियो में उन्होंने कहा, 'बहुत व्यस्त था, मैं कहूंगी, लेकिन इसके लायक था। हमने बहुत मजे किए, लेकिन अब नेशनल ड्यूटी पर वापस आ गए हैं।' भारत अपना पहला टी20आई मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 15 फरवरी को खेलेगा, इसके बाद दूसरा टी20आई मैच कैनबरा के मनुका ओवल में 19 फरवरी को और तीसरा मैच एडिलेड ओवल में 21 फरवरी को होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई सीरीज जून में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए महत्वपूर्ण तैयारी होगी। टी20आई के बाद ध्यान वनडे सीरीज पर जाएगा, जो 24 फरवरी को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में शुरू होगी। इसके बाद टीमें दूसरे और तीसरे वनडे के लिए होबार्ट के बेलेरिव ओवल जाएंगी, जो क्रमशः 27 फरवरी और 1 मार्च को खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें वनडे में मिलेंगी, जब पिछले साल अक्टूबर में महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट से जीत हासिल की थी। यह ऑस्ट्रेलिया की महान खिलाड़ी एलिसा हीली की आखिरी सीरीज भी होगी क्योंकि उन्होंने घोषणा की है कि वह भारत दौरे के बाद सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगी। यह दौरा प्रतिष्ठित एक टेस्ट मैच के साथ समाप्त होगा, जो 6 से 9 मार्च तक पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा।

# इंग्लिश प्रीमियर लीग : हैलेंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने लीवरपूल को हराया

लंदन **(एजेंसी)**। एर्लिंग हैलेंड के अंतिम लम्हों में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लीवरपूल को 2-1 से हराकर खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

नॉर्वे के हैलेंड ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागकर रविवार को अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैनचेस्टर सिटी की टीम 25 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अब उसके और शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल के बीच छह अंक का अंतर है। लीवरपूल को 74वें मिनट में डोमीनिक जोबोज्लाई ने बढ़त दिलाई थी जिसके 10 मिनट बाद बर्नार्डो सिल्वा ने स्कोर 1-1 कर दिया।

हैलेंड ने इसके बाद पेनल्टी पर गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। एक अन्य मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने ब्राइटन को 1-0 से हराकर 12 मैच से चले आ रहे जीत के इंतजार को खत्म किया।

## यूको बैंक की एफडी स्कीम

# 1 लाख रुपये जमा करें और मैच्योरिटी पर पाएं 38, 000 रुपये तक का पक्का ब्याज!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा की और रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा। पिछले साल की तुलना में इसमें 1.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी, जिससे अब लोन सस्ते हो गए हैं। हालांकि, एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दरें थोड़ी कम हुई हैं, लेकिन कुछ बैंक अभी भी आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। इसी कड़ी में, यूको बैंक की नई एफडी स्कीम ने निवेशकों का ध्यान खींचा है।

यूको बैंक अपने ग्राहकों को 2.90 प्रतिशत से लेकर 7.95 प्रतिशत तक की ब्याज दर पर एफडी विकल्प दे रहा है। खासतौर पर, बैंक की 444 दिनों की विशेष एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 6.45इ, वरिष्ठ नागरिकों को 6.95इ, स्टाफ को 7.45इ और रिटायर्ड वरिष्ठ स्टाफ को 7.95इ का ब्याज मिलता है। वहीं, 5 साल की एफडी में सामान्य ग्राहकों को 6.00इ और वरिष्ठ नागरिकों को 6.50इ ब्याज दर मिल रही है।

अगर आप सामान्य ग्राहक हैं और 5 साल के लिए 1 लाख रुपये यूको बैंक में जमा करते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको कुल 1, 34, 686 रुपये मिलेंगे, जिसमें 34, 686 रुपये का निश्चित ब्याज शामिल है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए यही राशि 1, 38, 042 रुपये, जिसमें 38, 042 रुपये का ब्याज शामिल है। एफडी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको निवेश की पूरी राशि के साथ-साथ ब्याज का निश्चित पैसा भी समय पर मिल जाता है, यानी कोई अनिश्चितता या छुपा नियम नहीं। यह स्कीम उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो सुरक्षित निवेश के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं।

यूको बैंक की यह एफडी स्कीम उन लोगों के लिए आकर्षक विकल्प बन रही है जो अपनी बचत को सुरक्षित तरीके से बढ़ाना चाहते हैं और तय ब्याज के साथ मैच्योरिटी पर बड़ा रिटर्न पाना चाहते हैं।

# सोने-चांदी की चमक लौटी : गिरावट के बाद निवेशकों की चांदी, ईटीएफ में आया उछाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बाजार में पिछले कुछ दिनों से जारी उथल-पुथल के बाद अब कीमती धातुओं के दिन फिरते नजर आ रहे हैं। सोमवार की सुबह निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई, क्योंकि सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार रिकवरी दर्ज की गई है। पिछले कुछ सत्रों में जो मुनाफा बाजार की अस्थिरता की भेंट चढ़ गया था, उसकी भरपाई अब तेजी से हो रही है। इस सुधार का सबसे बड़ा असर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) पर देखने को मिला, जहां निवेशकों ने जमकर खरीदारी की।

महीने की शुरुआत में आई गिरावट को पीछे छोड़ते हुए वायदा बाजार में शानदार बढ़त देखी गई। अप्रैल में मैच्योर होने वाला सोना करीब 2इ की मजबूती के साथ 1, 58, 500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू गया। इसी तरह जून के कॉन्ट्रैक्ट्स में भी उत्साह बना रहा। लेकिन असली बाजी चांदी ने मारी। मार्च एक्सपायरी वाली चांदी की कीमतों में लगभग 6इ की भारी तेजी आई, जिससे इसके भाव 2, 64, 885 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए। मई के कॉन्ट्रैक्ट्स में भी 4इ तक का इजाफा देखा गया, जो बाजार में लौटते भरोसे का संकेत है।

कीमती धातुओं में हालिया गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका से जुड़ी कुछ बड़ी खबरें थीं। दरअसल, सीएमई ग्रुप ने ट्रेडिंग के लिए मार्जिन की सीमा बढ़ा दी थी, जिसकी वजह से बड़े ट्रेडर्स को मजबूरी में अपनी पोजीशन बेचनी पड़ी। इसके साथ ही, अमेरिका में केविन वॉर्श को अगले फेडरल रिजर्व चेयरमैन के तौर पर नामांकित किए जाने की खबर ने भी बाजार को प्रभावित किया।

# टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड ने रचा इतिहास, ईडन गार्डन्स में पहली बार 200 पार, इटली को बुरी तरह धोया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सातवें मैच में स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रनों से हरा दिया। जॉर्ज मुन्सी मैच के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे, लेकिन स्कॉटलैंड के गेंदबाज माइकल लीस्क ने दोनों टीमों के बीच सबसे बड़ा अंतर पैदा किया। अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही इटली ने हैरी मैनेंटी (25 गेंदों में 37 रन) और बेन मैनेंटी (31 गेंदों में 52 रन) की बदौलत अच्छी पकड़ बनाए रखी, लेकिन स्कॉटलैंड के अनुभवी गेंदबाजों ने अजुरिस के लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर दीं।

माइकल लीस्क ने 4 ओवर में 4/17 के शानदार गेंदबाजी आंकड़े दर्ज करते हुए स्कॉटलैंड को इटली को पहले बल्लेबाजी करते हुए 207 रन बनाने के बाद मात्र 134 रनों पर ऑल आउट करने में मदद की। टॉस जीतकर इटली ने गेंदबाजी करने का फैसला किया और स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने ईडन गार्डन्स की पिच का पूरा फायदा उठाया। जॉर्ज मुन्सी और माइकल जोन्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 126 रनों की सलामी साझेदारी की। मुन्सी विशेष रूप से घातक थे, उन्होंने 54 गेंदों में 84 रन बनाए जिसमें 13 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

बीच के ओवरों में अली हसन (1/21) की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत इटली ने कुछ देर के लिए वापसी की, लेकिन आखिरी ओवरों में स्कॉटलैंड का दबदबा रहा। ब्रैंडन मैकमुलन (18 गेंदों में 41ङ) और माइकल लीस्क (5 गेंदों में 22ङ) ने पारी के अंत में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार 200 रन के पार पहुंचाया। इटली की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही, जब जस्टिन मोस्का पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। विश्व कप में पहली बार खेल रही इटली को उस समय बड़ा मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक झटका लगा जब कप्तान वेन मैडसन को पहली पारी में डाइव लगाते समय कंधे में चोट लगने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा; वे अंततः बल्लेबाजी करने में असमर्थ रहे।

इस उथल-पुथल के बावजूद, मैनेंटी बंधुओं ने उम्मीद की किरण जगाई। बेन मैनेंटी ने इटली के लिए टी20 विश्व कप में पहला अर्धशतक (31 गेंदों में 52 रन) बनाकर इटली के क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने और हैरी मैनेंटी (25 गेंदों में 37 रन) ने मिलकर 73 रन की साझेदारी की, जिससे कुछ समय के लिए आवश्यक रन रेट को नियंत्रण में रखा जा सका। हालांकि, माइकल लीस्क (4/17) के गेंदबाजी पर लौटने के बाद इटली का प्रतिरोध ध्वस्त हो गया।

# अब लग्जरी होटलों में ठहरना हुआ मुश्किल एक रात का किराया जानकार चकरायेगा सिर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आप फरवरी के मध्य में दिल्ली जाने का प्लान बना रहे हैं तो सावधान हो जाइए! देश की राजधानी में ठहरना अब मिडिल क्लास क्या अमीरों की जेब पर भी भारी पड़ रहा है। दिल्ली के नामी पांच सितारा होटलों के कमरों का किराया आसमान छू रहा है। कुछ होटलों में तो एक रात का बिल किसी लग्जरी कार की कीमत के बराबर पहुंच गया है।

इस बेतहाशा महंगाई के पीछे कोई शादी या त्यौहार नहीं बल्कि 16 से 20 फरवरी के बीच आयोजित होने वाला इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 है। भारत मंडपम में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए 35, 000 से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि, 20 राष्ट्राध्यक्ष और दर्जनों वैश्विक कंपनियों के सीईओ इस दौरान दिल्ली में ही रहेंगे।

द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के अनुसार 19 और 20 फरवरी की तारीखों के लिए लगभग सभी कमरे बुक हो चुके हैं। विदेशी मेहमानों और मंत्रियों की आमद के कारण प्रीमियम सुइट्स की डिमांड सबसे ज्यादा है। होटल मैनेजर्स का कहना है कि इतने बड़े स्तर का अंतरराष्ट्रीय आयोजन होटल इंडस्ट्री के लिए बोनस जैसा है लेकिन सामान्य यात्रियों के लिए जगह मिलना मुश्किल हो गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार जब भी राजधानी में कोई जी-20 जैसा बड़ा ग्लोबल समिट होता है तो मांग और आपूर्ति का संतुलन बदल जाता है। 100 देशों की मौजूदगी और 40 से ज्यादा बड़ी कंपनियों के जुड़ाव ने दिल्ली को नो-वैकेंसी ज़ोन में तब्दील कर दिया है।

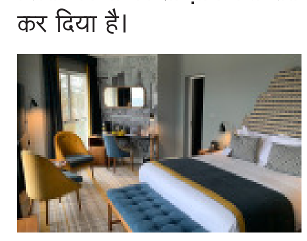

# शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' को अदालत से बड़ी राहत, फिल्म की रिलीज का रास्ता हुआ साफ

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्म 'ओ रोमियो' ने एक बड़ी कानूनी लड़ाई जीत ली है। मुंबई की एक अदालत ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। यह केस दिवंगत गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी, सनोबर शेख ने दायर किया था, जिन्होंने दावा किया था कि यह फिल्म उनके पिता की जिंदगी पर आधारित है और इसके लिए उनसे कोई अनुमति नहीं ली गई।

सनोबर शेख ने फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला, डायरेक्टर विशाल भारद्वाज और लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ सिविल केस किया था। सनोबर का आरोप था कि फिल्म में उनके पिता को एक गैंगस्टर के रूप में दिखाया गया है और बिना परिवार की इजाजत के कहानी का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने मांग की थी कि फिल्म की रिलीज रोक दी जाए।

सिविल कोर्ट के जज एच सी शेंडे ने सनोबर की याचिका को खारिज करते हुए कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कोर्ट को पता चला कि सनोबर ने मुकदमा करने से पहले मेकर्स को नोटिस भेजकर 1 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि जब शिकायत सिर्फ पैसे से जुड़ी हो तो फिल्म की रिलीज रोकना कानूनन सही नहीं है।

कोर्ट ने यह भी नोट किया कि सनोबर को फिल्म के बारे में काफी समय से पता था, लेकिन वह कोर्ट तब पहुंचीं जब फिल्म रिलीज होने वाली थी। जज ने फिल्म की प्री-स्क्रीनिंग की मांग भी ठुकरा दी। उन्होंने कहा कि यह 'न्यायिक सेंसरशिप' जैसा होगा, जिसकी इजाजत कानून नहीं देता।

मेकर्स के वकीलों का कहना है कि यह फिल्म पूरी तरह से काल्पनिक कहानी है और इसमें जरूरी डिस्क्लेमर भी दिए गए हैं। 'ओ रोमियो' एक एक्शन से भरपूर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें शाहिद कपूर एक गनमैन की भूमिका निभा रहे हैं। 'हैदर' और 'कमीने' के बाद विशाल भारद्वाज के साथ शाहिद कपूर की यह तीसरी बड़ी फिल्म है।यह फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, सनोबर शेख के वकीलों का कहना है कि वे अब इस फैसले को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती देंगे।

# खुद को खोना मंजूर नहीं, वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की खबरों के बीच तारा सुतारिया ने मानसिक शांति पर की बातचीत

आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज के इंतजार के बीच अभिनेत्री तारा सुतारिया अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया गलियारों में चर्चा है कि तारा और उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि, दोनों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन लंबे समय से दोनों को साथ न देखे जाने के बाद इन अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच, तारा ने एक इंटरव्यू में अपनी मानसिक शांति और आसपास की नेगेटिव एनर्जी से निपटने पर खुलकर बात की है।

एले इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में तारा ने अपनी निजी जिंदगी और करियर के बीच संतुलन बनाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अब 'अपनी शांति की रक्षा करना' सीख लिया है। तारा ने साफ किया कि उनके लिए सफलता का मतलब सिर्फ फिल्में नहीं हैं।

तारा ने कहा, 'मैंने हमेशा माना है कि सफलता अंदर से आती है। मन की शांति और खुद को जानना ही मेरा लक्ष्य रहा है। मैं खुद को खोने के बजाय एक फिल्म खोना पसंद करूंगी।'

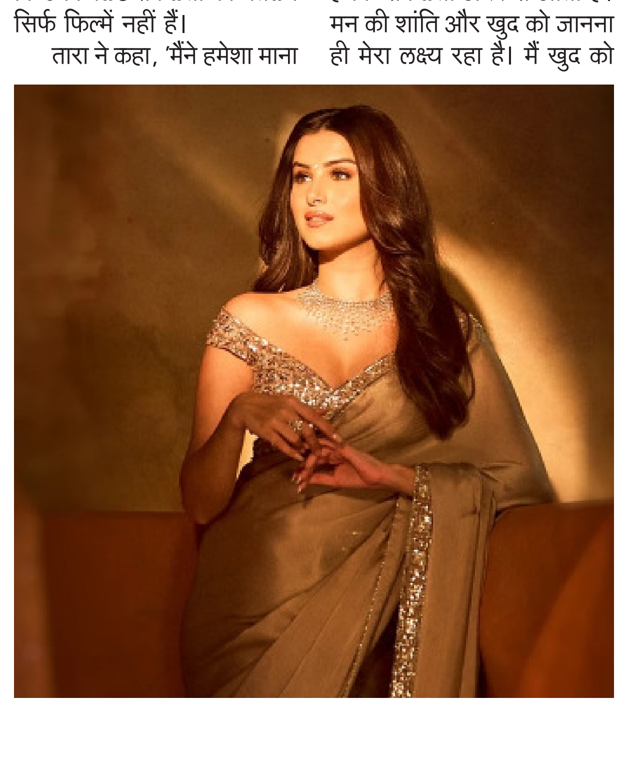

तारा ने आगे कहा कि एक एक्टर होने के नाते लोग आपके बारे में कई तरह की बातें करते हैं, लेकिन उन्हें कभी हर किसी को सच्चाई बताने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनके मुताबिक, जब तक उन्हें और उनके करीबियों को सच पता है, तब तक बाकी बातें मायने नहीं रखतीं।तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने साल 2025 की शुरुआत में डेटिंग शुरू की थी और अक्सर उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों में एक साथ देखा जाता था। उनके बीच की बॉन्डिंग फैंस को काफी पसंद आती थी, लेकिन अब गलियारों में यह चर्चा तेज है कि तारा और वीर का ब्रेकअप हो गया है। हाल ही में वीर के जन्मदिन (1 फरवरी) और अन्य कई मौकों पर तारा की गैरमौजूदगी ने इन अफवाहों को हवा दी।

# कर्नल सोफिया टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई

## पूर्व मंत्री का बड़ा दावा-विजय शाह का मंत्री पद जाना तय

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर वर्ष 2025 में दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज अहम सुनवाई हो रही है। यह बयान ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दिया गया था, जिसे सेना अधिकारी की गरिमा के अपमान और सांप्रदायिक घृणा फैलाने से जोड़कर देखा जा रहा है।

यह मामला पहले हाई कोर्ट में विचाराधीन रहा, जहां से होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी अपनी जांच पूरी कर चुकी है और रिपोर्ट में अभियोजन की सिफारिश की गई है। हालांकि, अब तक राज्य सरकार की ओर से अभियोजन की औपचारिक अनुमति लंबित है। इससे पहले विजय शाह की ओर से दी गई माफी को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि माफी काफी देर से और परिस्थितिजन्य दबाव में दी गई है।

सुनवाई से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि विजय शाह चार बार माफी मांग चुके हैं, लेकिन अब उन्हें किसी भी तरह की राहत नहीं मिलेगी। शर्मा का दावा है कि न्यायपालिका अपना काम करेगी और विजय शाह को मंत्री पद गंवाना पड़ेगा। पीसी शर्मा ने कहा कि यह मामला केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि महिलाओं की गरिमा और सेना के सम्मान से जुड़ा हुआ है, जिसे किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस पूरे विवाद ने मध्य प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है। विपक्ष लगातार मोहन यादव सरकार पर विजय शाह को बचाने का आरोप लगा रहा है। कांग्रेस इसे महिला सशक्तिकरण और सरकार की योजनाओं, खासकर लाडली बहना योजना, के दावों से जोड़कर सरकार को घेर रही है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि एक ओर सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर अपने मंत्री के कथित आपत्तिजनक बयान पर नरमी बरती जा रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट सख्त रुख अपनाता है, तो यह मोहन यादव सरकार के लिए बड़ा राजनीतिक झटका साबित हो सकता है।

### एआईएमआईएम नेता के बयान पर बवाल

# 'मुसलमान तीन तरह के होते हैं' जूता मारने वाला मुसलमान सिर्फ मजलिस में मिलता है

तेलंगाना (एजेंसी)। एआईएमआईएम के नेता तौकीर निजामी ने एक जनसभा के दौरान 'जूते' का उदाहरण देते हुए मुस्लिम समुदाय को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिससे प्रदेश की राजनीति में तूफान आ गया है। निजामी ने किसी को 'जूते चाटने वाला' तो किसी को 'जूते खाने वाला' बताकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता को भी हैरान कर दिया है।

तौकीर निजामी ने मंच से कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में मुस्लिम समाज तीन हिस्सों में बंट गया है। उनके मुताबिक, जो लोग कांग्रेस का साथ देते हैं वे 'जूते चाटने' का काम करते हैं और जो भाजपा की ओर जाते हैं वे 'जूते खाने' वाले हैं। उन्होंने दावा किया कि हक के लिए 'जूता मारने' वाला हौसला सिर्फ असदुद्दीन ओवैसी की मजलिस में ही मुमकिन है। इस दौरान उन्होंने ओवैसी

भाइयों के पुराने '15 मिनट' वाले विवादित बयान की भी याद दिलाई।

निजामी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि आजादी के बाद से मुसलमानों को सिर्फ झंडे लगवाने और दरी बिछवाने तक सीमित रखा गया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि वे शत-प्रतिशत वोट की उम्मीद तो रखते हैं, लेकिन जब हक और प्रतिनिधित्व देने की बारी आती है, तो झोली खाली रह जाती है। उनके अनुसार, 'मोहब्बत' और 'नफरत' की दुकानों के बीच मुसलमानों के स्वाभिमान का रास्ता सिर्फ मजलिस से होकर गुजरता है। उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार की चुनावी सफलताओं का हवाला देते हुए समुदाय से सड़कों पर आने और जागने की अपील की।

इस भड़काऊ बयान के सामने आते ही शिवराज सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने निजामी को चुनौती देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शांति का प्रतीक है और यहां 'जूता मारने' जैसी हिंसात्मक भाषा के लिए कोई जगह नहीं है। सारंग ने आरोप लगाया कि ओवैसी और उनके सिपहसालार हमेशा लोगों को भड़काने और नफरत फैलाने की राजनीति करते हैं। उन्होंने साफ किया कि इस तरह के आपत्तिजनक बयानों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून अपना काम करेगा।

# एनसीपी प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ी गले में संक्रमण के बाद पुणे के अस्पताल में भर्ती

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार, 85 वर्ष, को सोमवार दोपहर गले में खराश और खांसी की शिकायत के बाद बारामती स्थित उनके आवास से पुणे के एक अस्पताल में ले जाया जा रहा था। एनसीपी (एसपी) प्रमुख के भतीजे श्रीनिवास पवार ने बताया कि पवार को कल रात से लगातार खांसी आ रही थी और सीने में जकड़न के लक्षण दिखाई दे रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पुणे ले जाया गया।

रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ और प्रबंध न्यासी डॉ. परवेज़ ग्रांट ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की। डॉ. ग्रांट ने कहा कि पहुँचने पर डॉक्टरों की एक टीम उनकी जाँच करेगी और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। शरद पवार मुख कैंसर से उबर चुके हैं, जिसका निदान 1990 के दशक के उत्तरार्ध में हुआ था। उन्होंने इस बीमारी के इलाज के लिए अमेरिका और भारत में कई सर्जरी करवाईं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि हवाई दुर्घटना में अजित पवार की मौत की परिस्थितियों के बारे में सभी को संदेह है और वह 10 फरवरी को इस बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति देंगे। बारामती में जिला परिषद चुनाव में अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विधायक ने कहा कि अजित पवार चाहते थे कि राकांपा के दोनों गुट एकजुट हो जाएं और विलय की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के लिए चुनाव शनिवार को हुए। यह मतदान मूल रूप से पांच फरवरी को होना था, लेकिन 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु और इसके बाद तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। दिवंगत राकांपा प्रमुख के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि हर किसी के मन में (दुर्घटना के बारे में) सवाल और संदेह हैं। मैं 10 फरवरी को मुंबई में एक प्रस्तुति दूंगा। दुर्घटना क्यों हुई और यह कैसे हुई होगी, ये मुद्दे 10 फरवरी को उठाए जाएंगे। जिला परिषद चुनाव के लिए राकांपा (शप) और राकांपा ने हाथ मिलाया है और दोनों 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं।

## ढोल-डीजे की तेज आवाज से घबराई घोड़ी, बेकाबू होकर कुएं में गिरी, दूल्हे ने कूदकर बचाई जान

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिला के पंधाना तहसील अंतर्गत ग्राम फतेहपुर में रविवार को एक विवाह समारोह के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बारात में शामिल घोड़ी अचानक बेकाबू होकर पास ही स्थित एक खुले कुएं में जा गिरी। गनीमत रही कि दूल्हे ने समय रहते घोड़ी से कूदकर अपनी जान बचा ली।

जानकारी के अनुसार, ग्राम आवल्या विठ्ठल से बारात फतेहपुर पहुंची थी। दोपहर करीब दो बजे बारात के दौरान दूल्हे को घोड़ी पर बैठाया गया। ढोल-डीजे की तेज आवाज पर बाराती नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे, तभी अचानक तेज संगीत से घोड़ी घबरा गई और संतुलन खो बैठी। दूल्हे ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत घोड़ी से छलांग लगा दी। इसके कुछ ही क्षण बाद घोड़ी पास ही स्थित खुले कुएं में गिर गई, जिसमें पानी भी भरा हुआ था। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद घोड़ी को सुरक्षित बाहर निकाला।

ग्रामीणों ने बताया कि यह कुआं गांव से लगी कोटवार की शासकीय भूमि पर स्थित है। करीब दो वर्ष पूर्व इसी कुएं में एक बैल भी गिर चुका है। कुछ माह पहले कोडावद हादसे के दौरान ग्रामीणों ने इस खुले कुएं को लेकर ग्राम पंचायत सचिव कैलाश पटेल को अवगत भी कराया था, लेकिन पंचायत द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खुले कुएं पर शीघ्र सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

# चुनाव से पहले ध्रुवीकरण तेज़? दिलीप घोष की अपील- हिंदुओं की रक्षा के लिए आगे आएं

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता दिलीप घोष ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर राज्य में हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों का हवाला दिया। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए घोष ने कहा कि आज बंगाल में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं पर हमले, और जब हम कार्यक्रम आयोजित करते हैं तो पुलिस हमारे झंडे उतार देती है। पुलिस और गुंडे मिलकर यह सब कर रहे हैं। हिंदू समुदाय को इस स्थिति में धकेला जा रहा है।

घोष ने दावा किया कि पुलिस और स्थानीय गुंडे मिलकर हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं, जिसके कारण कई हिंदू मुर्शिदाबाद से मालदा पलायन करने को मजबूर हैं। उन्होंने हिंदू समुदाय से एकजुट होकर ऐसे नेताओं को चुनने का आग्रह किया जो उनके हितों की रक्षा कर सकें। उन्होंने कहा कि अब हिंदू मुर्शिदाबाद से मालदा पलायन कर रहे हैं। इसलिए, हिंदुओं की रक्षा के लिए, हिंदुओं को स्वयं आगे आना होगा और एक ऐसे नेता को चुनना होगा जो उनकी रक्षा करे। पश्चिम बंगाल में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसके चलते राज्य की राजनीति गरमा गई है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कड़ी चुनौती मिल रही है। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने विपक्ष के इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने के बावजूद कांग्रेस या किसी भी सहयोगी दल के साथ गठबंधन की कोई चर्चा शुरू नहीं की है।

एक दिन पहले, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा था कि देश और दुनिया भर के हिंदुओं को एकजुट होना चाहिए, क्योंकि वैश्विक स्तर पर हिंदुओं के लिए बहुत कम राष्ट्र बचे हैं। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव करो या मरो की लड़ाई होगी। सिंह ने कहा कि देश के हिंदुओं को भी एकजुट होना चाहिए, और दुनिया भर के हिंदुओं को भी। हिंदुओं के लिए बहुत कम देश बचे हैं। इस बार बंगाल में चुनाव करो या मरो की लड़ाई होगी। बंगाल के हर घर में एक गोपालपाठी का उदय होना चाहिए। अन्यथा, वे (टीएमसी) हमारा कत्लेआम करवा देंगे।

### मलेशिया में भावुक मुलाकात

# आईएनए दिग्गज जयराज राजा ने पीएम मोदी को बताया 'महान', कहा-आपने भारत को नई ऊंचाई पर पहुँचाया

माले (एजेंसी)। इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के दिग्गज जयराज राजा राव ने सोमवार को कुआलालंपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात को याद किया और उन्हें 'महान' बताते हुए उनकी प्रशंसा की। जयराज राजा राव ने बातचीत में कहा कि मोदी ने भारत की छवि को कई क्षेत्रों में ऊँचा उठाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दो-दिवसीय आधिकारिक दौरे के दौरान रविवार को आईएनए के दिग्गजों से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने इस सेना के ऐतिहासिक महत्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय डायस्पोरा के बीच इसके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आईएनए के दिग्गज जयराज राजा राव से भी मुलाकात की और इसे 'गहन रूप से प्रेरणादायक' बताया। आईएनए का ऐतिहासिक महत्व आज के मलेशिया और सिंगापुर में भारतीय डायस्पोरा से जुड़ा है, क्योंकि यह सेना मुख्यतः इसी क्षेत्र में संगठित और विकसित हुई थी। इसके भीतर रानी झाँसी रेजिमेंट, एक महिला इकाई, विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जिसमें कई भारतीय महिलाएँ शामिल थीं जिन्होंने कभी भारत नहीं देखा था, लेकिन भारतीय संस्कृति और विरासत के साथ गहरा जुड़ाव बनाए रखा।

जयराज राजा राव ने आईएएनएस को बताया कि वे भावुक स्वभाव के हैं और उन्हें इस बात पर गर्व है कि उन्हें भारत के एक महान प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने मोदी को एक 'ऊर्जावान और परवाह करने वाली' शख्सियत बताया और कहा कि उन्होंने भारत के गांवों में शौचालय, जल व्यवस्था और उनकी रखरखाव जैसी कई सामाजिक योजनाओं पर काम किया है। साथ ही उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की तारीफ भी की। राव ने यह भी कहा कि मोदी ने सभी समुदायों मुस्लिम, हिंदू, ईसाई को बराबरी का दर्जा दिया और पाकिस्तान की उकसावे वाली हरकतों के खिलाफ भी मजबूत रुख अपनाया। उन्होंने अमेरिका पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका 'उकसावे वाला, साम्राज्यवादी और अत्यधिक दबंग' है, और भारत ने उसकी नीतियों से दूरी बनाए रखकर संतुलन बनाए रखा है। जयराज राजा राव ने कहा कि उनके लिए यह मुलाकात भावनात्मक रूप से बहुत भारी थी क्योंकि प्रधानमंत्री ने 'एक साधारण व्यक्ति' से मिलने के लिए समय निकाला। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात का साझा विषय नेताजी सुभाष चंद्र बोस था। राव ने कहा कि नेताजी ने उन्हें तब गले से लगाया था जब वे मात्र 12-13 वर्ष के थे, और प्रधानमंत्री भी नेताजी के प्रति बहुत आदर रखते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे 'मलेशियाई भारतीय' नहीं बल्कि 'भारतीय-मलेशियाई' हैं, और वे भारतीय होने पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने लोकतांत्रिक देश में कई जातीय भारतीयों को एक साथ बनाए रखा यह एक शानदार उपलब्धि है। राव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के तीन प्रमुख गुणों को अपने जीवन पर गहरा प्रभाव डालने वाला बताया। पहला, नेताजी की भाषा और आकर्षक ऊर्जा ने भारतीयों को एकजुट किया, जिससे लोग अपनी भाषा या क्षेत्र से ऊपर उठकर 'पहले हम भारतीय हैं' की भावना से जुड़ सके।

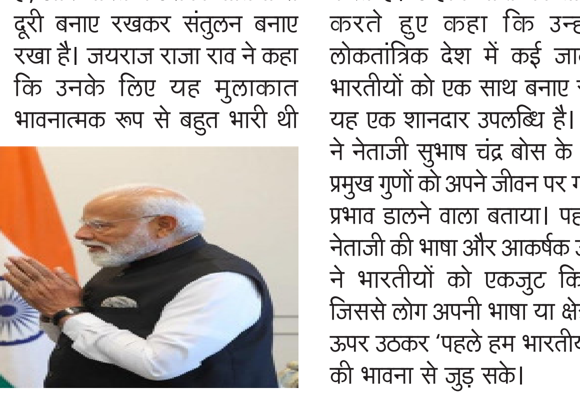

### यूरोप तक फैला एपस्टीन फाइलों का जहर

# फ्रांस के पूर्व संस्कृति मंत्री जैक लैंग ने अहम पद से दिया इस्तीफा, बेटी भी जांच के घेरे में

पेरिस (एजेंसी)। एपस्टीन फाइलों का जहर अब यूरोप की राजनीति में भी फैलने लगा है। फ्रांस के पूर्व संस्कृति मंत्री और देश की सांस्कृतिक पहचान माने जाने वाले जैक लैंग को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है, क्योंकि जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज़ों में उनका नाम 600 से अधिक बार सामने आया है। मामला सिर्फ नैतिकता का नहीं, बल्कि गंभीर टैक्स फ्रॉड और ऑफशोर मनी लॉन्ड्रिंग की आपराधिक जांच तक पहुंच चुका है।यह खुलासा हाल ही में सार्वजनिक किए गए एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज़ों के जरिए हुआ है। जैक लैंग ने पेरिस स्थित अरब वर्ल्ड इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। 86 वर्षीय जैक लैंग ने 7 फरवरी 2026 को अपना इस्तीफा सौंपा था। कुछ रिपोर्ट्स में इसे 'इस्तीफे की पेशकश' बताया गया, जिसे 8 फरवरी 2026 को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

यह विवाद तब गहराया जब अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी 2026 को जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सार्वजनिक कीं। इन दस्तावेज़ों की समीक्षा रॉयटर्स ने की, जिसमें सामने आया कि जैक लैंग का नाम लगभग 670 बार दर्ज है। एपी समाचार और अन्य अंतरराष्ट्रीय आधिकारिक पुष्टि के साथ राजनीतिक संकट का रूप ले चुका है। एपस्टीन फाइलों में जैक लैंग और उनकी बेटी दोनों के नाम उन संदिग्ध ऑफशोर लेन-देन में सामने आए हैं, जिनका संबंध सीधे जेफ्री

मीडिया संस्थानों ने भी इस तथ्य की पुष्टि की है। इतनी बार नाम सामने आना अपने आप में असाधारण माना जा रहा है। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए यह भी बताया कि अब नए अध्यक्ष की तलाश शुरू कर दी गई है।यह मामला अब केवल आरोपों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एपस्टीन से जोड़ा जा रहा है। इसके बाद फ्रांसीसी जांच एजेंसियों ने जैक लैंग और उनकी बेटी के खिलाफ 'एग्रेवेटेड टैक्स फ्रॉड लॉन्ड्रिंग' यानी गंभीर कर-चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियों के अनुसार, मामला केवल नैतिक या राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक अपराधों से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि एपस्टीन से जुड़े ऑफशोर नेटवर्क का इस्तेमाल कर अवैध धन को छिपाया गया और टैक्स से बचने की कोशिश की गई।


**उत्तर मध्य रेलवे**

**प्रथम शुद्धि पत्र**

टेंडर नोटिस संख्याः- सीएम-2/एसटीबीए/स्टेशन वाइज/2026/1 दिनांकः 09.02.2026

प्रयागराज मंडल द्वारा निविदा सूचना संख्याः सीएम-2-एसटीबीए-स्टेशन वाइज-2026/1 दिनांकः 05.02.2026 में निम्नलिखित सुधार/संशोधन किये गए हैं।

| पूर्व में प्रकाशित स्टेशन का नाम | संशोधित स्टेशन का नाम |
|---|---|
| AGY, CUK, KHRY, SKGH, JEP, KYT, DAP, BEO, JIA, IDGJ, LOG, MJHR, MFX, SYWN, MNJ, BDNP, SJT, KTCE, FYZ, KKS, AUNG, KSQ, KBN, PMPR, RXM, KAHL, MWUE, SOM, SBDR, SRJ, DBR, BRE, GOY, PNKD, JLS, CHL एवं DKDE | AGY, CUK, KHRY, SKGH, JEP, KYT, DAP, BEO, IDGJ, LOG, MJHR, MFX, SYWN, MNJ, BDNP, SJT, KTCE, FYZ, KKS, AUNG, KSQ, KBN, PMPR, RXM, KAHL, MWUE, SOM, SBDR, SRJ, DBR, BRE, GOY, PNKD, JLS, CHL एवं DKDE. पूर्व में प्रकाशित जिगना (JIA) स्टेशन का नाम सूची से पृथक किया जाता है। 269/26(A) |

f North central railways | X @CPRONCR


# फिलीस्तीनियों पर गिरी गाज, इजराइल ने वेस्ट बैंक को लेकर उठाया बड़ा कदम

## अब्बास ने फैसले को बताया 'खतरनाक'

तेल अबीब (एजेंसी)। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने वेस्ट बैंक पर अपने नियंत्रण को और मजबूत करने के लिए एक नया निर्णय लिया है। इस फैसले का लक्ष्य वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों की स्थिति को और मजबूत करना और फिलीस्तीनी प्राधिकरण की पहले से सीमित शक्तियों को और कमजोर करना बताया जा रहा है।दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के कार्यालय ने बयान जारी किया कि इस निर्णय से यहूदी बस्तियों के लिए फिलीस्तीनियों को जमीन छोड़ने के लिए मजबूर करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम फलस्तीनी राष्ट्र के विचार को खत्म करना जारी रखेंगे।'

निगरानी समूह 'पीस नाउ' के शोधकर्ता योनातन मिज़राची ने बताया कि इस फैसले को लागू करने के लिए वेस्ट बैंक के लिए इजराइल के शीर्ष कमांडर की मंजूरी की जरूरत होगी। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस फैसले को 'खतरनाक' करार दिया और कहा कि यह इजराइल का बस्ती विस्तार और भूमि अधिग्रहण को वैध बनाने का खुला प्रयास है। उन्होंने अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने भी इस फैसले की निंदा की और कहा कि यह 'अवैध इजराइली संप्रभुता थोपने' और बस्तियों को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया निर्णय है।

### बांग्लादेश में भूकंप के झटकों से कांपी धरती

# ढाका दुनिया के 20 सबसे जोखिम वाले शहरों में शामिल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 3.3 रही और यह 45 किलोमीटर की गहराई पर आया। एनसीएस ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि यह भूकंप 9 फरवरी 2026 को सुबह 04:50 आईएसटी पर दर्ज किया गया। एनसीएस ने भूकंप का स्थान 25.08ष्टएन अक्षांश और 92.03ष्टई देशांतर पर बताया। इससे पहले 1 फरवरी को भी बांग्लादेश में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश में बड़े भूकंप आने का जोखिम बहुत अधिक है, क्योंकि यह तीन सक्रिय टेक्टोनिक प्लेट फॉल्ट्स के संगम पर स्थित है। दिसंबर 2025 में ढाका में 4.1 तीव्रता का भूकंप आने के बाद विशेषज्ञों ने कहा था कि तैयारी, जन जागरूकता और आधुनिक तकनीक से ही हानि को कम किया जा सकता है।बांग्लादेश भारतीय, यूरेशियन और बर्मा प्लेटों के मिलन बिंदु पर स्थित है। भारतीय प्लेट हर साल लगभग 6 सेंटीमीटर उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ती है, जबकि यूरेशियन प्लेट लगभग 2 सेंटीमीटर प्रति वर्ष उत्तर की ओर बढ़ती है।

देश कई प्रमुख फॉल्ट लाइनों के पास है, जिनमें बोगुरा फॉल्ट, त्रिपुरा फॉल्ट, शिलॉन्ग प्लेटो, डौकी फॉल्ट और असम फॉल्ट शामिल हैं। इसी वजह से बांग्लादेश 13 भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में आता है।

**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना संख्या : EL-C-PRYJ-09-25-26 दिनांकः 06.02.2026

**ई-निविदा सूचना (विद्युत निर्माण)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 03.03.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् हैः- निविदा खुलने की तिथिः 03.03.2026

| क्र.सं.: 1 | प्रकाशित कार्य की लागत (रू0 में): ₹ 7,99,75,202.88 |
|---|---|

कार्य का नाम : सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ (2x25kV, AC, 50Hz), ओ.एच.ई. ऑफ इटावा फ्लाईओवर एंड मॉडिफिकेशन इन एक्सिस्टिंग ओ.एच.ई. इन कनेक्शन विथ प्रपोजल आफ लिंक लाइन बिटवीन ETW-BIX लाइन एंड ETW-MNQ लाइन वाया फ्लाईओवर एंड एडिशनल लिंक लाइन फ्रॉम भिंड लाइन टू ETW (10 KM) प्रयागराज डिवीजन इन एन. सी. रेलवे।

| बोली प्रतिभूति (रू0 में): ₹ 5,39,900.00 | कार्य अवधिः 18 माह |
|---|---|

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 277/26(A)

f North central railways | X @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in


Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।